आज का सुविचार

卐एक बार काम शुरू कर लें तो असफलता का डर नहीं रखें और न ही काम को छोड़ें। निष्ठा से काम करने वाले ही सबसे सुखी हैं।卐 - चाणक्य

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-72 भोपाल,रविवार 23, जनवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

जेडीयू ने बीजेपी को दिखाए तेवर अकेले यूपी के रण में उतरेगी पार्टी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर जदयू और भाजपा में गठबंधन पर अब तक सहमति नहीं बन सकी है। इसको देखते हुए जदयू ने शुक्रवार को एलान कर दिया है कि वह अपने उम्मीदवारों की पहली सूची शनिवार को जारी कर देगा। जदयू के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि चरणवार उम्मीदवारों की सूची जारी होगी। पहली सूची शनिवार दोपहर में जारी होगी। त्यागी ने कहा कि भाजपा के साथ समझौते का अब तक कोई संदेश उनके पास नहीं आया है। इसलिए बैठक बुलाकर पहली सूची पर निर्णय लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इसे जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की 51 सूची तैयार की गई है, पर पहली सूची में ये सभी नाम नहीं होंगे। मालूम हो कि बुधवार को दिल्ली में जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी के 51 उम्मीदवारों की सूची को फाइनल किया गया था। तब, केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने कहा था कि भाजपा से उनकी सकारात्मक बात चल रही है। उम्मीद है कि उत्तर प्रदेश में साथ चुनाव लड़ने पर जदयू और भाजपा का समझौता हो जाएगा।

कर्नाटक में फंसे मजदूरों की होगी सकुशल वापसी

कोरबा. कोरबा जिला कलेक्टर श्रीमती रानू साहू की पहल पर कर्नाटक में फंसे कोरबा जिले के 7 मजदूरों की कोरबा सकुशल वापसी हो रही है। मजदूर रात ट्रेन से अपने घर आने के लिए रवाना हुए। सभी सातों मजदूर रविवार सुबह कोरबा पहुंचेंगे। अजगरबहार, लेमरू क्षेत्र के आदिवासी मजदूर काम के सिलसिले में कर्नाटक राज्य के बैंगलोर में ठेकेदार के चंगुल में फंस गये थे।

एसआर अस्पताल की टीम ने बचाई 6 वर्ष के बच्चे की जान

भिलाई। एसआर हॉस्पिटल चिखली धमधा रोड़ दुर्ग में एक 6 साल का बच्चा गंभीर अवस्था में इलाज के लिए भर्ती हुआ। बच्चे का नाम प्रतीक है। बच्चा राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ क्षेत्र का रहने वाला है। बच्चे के सिर के पीछे हिस्से में गंभीर चोट लगने की वजह से खोपडी के अंदर हड्डी के टुकडे हो चुके थे। बच्चे के कान से रक्त एवं पानी का रिसाव हो रहा था। भर्ती के वक्त बच्चा बेहोशी के स्थिति में था। बच्चे को पीआईसीयू में भर्ती कर तत्काल इलाज प्रारंभ किया गया।

गधेरी में शराब की भट्टियां नष्ट, 25 ड्रमों भरा मिला 5 हजार लीटर लाहन

जबलपुर। पुलिस की तमाम कार्रवाईयों के बाद भी गधेरी में अघोषित तौर पर कच्ची शराब निर्माण का अवैध कारोबार तेजी से फल फूल रहा है। पुलिस की कार्रवाईयों के बाद भी कुकरमुत्तों की तरह यहाँ कच्ची शराब की नई फैक्ट्रियां फिर आबाद हो जाती है। शुक्रवार को गधेरी के भोलक घाट एवं पारसपानी के जंगल में कच्ची शराब उतारने के ठिकाने पर खमरिया पुलिस ने दबिश देकर कच्ची शराब बनाने 25 ड्रमों में भरा हुआ लगभग 5 हजार लीटर लाहन एवं 2 भट्टियों को नष्ट किया।

मुख्यमंत्री 22 जनवरी को पशुपालक ग्रामीणों, स्वसहायता समूहों और गौठानों को ऑनलाइन जारी करेंगे 4.21 करोड़

गोधन न्याय योजना से हो चुका अब तक 119.41 करोड़ रूपए का भुगतान

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल 22 जनवरी 2022 को दोपहर 12 बजे अपने निवास कार्यालय में आयोजित गोधन न्याय योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम में पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 4 करोड़ 21 लाख रूपए की राशि ऑनलाइन जारी करेंगे, जिसमें 01 जनवरी से 15 जनवरी 2022 तक राज्य के गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से गोधन न्याय योजना के तहत क्रय किए गए गोबर के एवज में 2 करोड़ 76 लाख रूपए भुगतान तथा गौठान समितियों को 87 लाख और महिला समूहों को 58 लाख रूपए की लाभांश राशि शामिल हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में ग्रामीणों से 2 रूपए की दर से गोबर की खरीदी की जा रही है। राज्य में इस योजना की शुरूआत 20 जुलाई 2020 को हरेली पर्व से हुई थी। 20 जुलाई 2020 से लेकर 31 दिसम्बर तक की स्थिति में 54.64 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की गई है, जिसके एवज में गोबर बेचने वालों को 119.41 करोड़ रूपए का भुगतान भी किया जा चुका है। 22 जनवरी को गोबर विक्रेताओं को 2 करोड़ 76 लाख रूपए का भुगतान होने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 122.17 करोड़ रूपए हो जाएगा। गौठान समितियों को अब तक 44.43 करोड़ रूपए तथा महिला

स्व-सहायता समूहों 28.88 करोड़ रूपए राशि लाभांश के रूप में दी जा चुकी है। गौठानों में महिला समूहों द्वारा गोधन न्याय योजना के अंतर्गत क्रय गोबर से बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट प्लस एवं अन्य उत्पाद तैयार किया जा रहा है। महिला समूहों द्वारा 10 लाख 38 हजार क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तथा 4 लाख 36 हजार क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट खाद का निर्माण किया जा चुका है, जिसे सोसायटियों के माध्यम से शासन के विभिन्न विभागों एवं किसानों को रियायती दर पर प्रदाय किया जा रहा है। महिला समूह गोबर से खाद के अलावा गो-कास्ट, दीया, अगरबत्ती, मूर्तियां एवं अन्य सामग्री का निर्माण एवं विक्रय कर लाभ अर्जित कर रही हैं। गौठानों में महिला समूहों द्वारा इसके अलावा सब्जी एवं मशरूम का उत्पादन, मुर्गी, बकरी, मछली पालन एवं पशुपालन के साथ-साथ अन्य आय मूलक विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिससे महिला समूहों को अब तक 50 करोड़ 57 लाख रूपए की आय हो चुकी हैं। राज्य में गौठानों से 11,463 महिला स्व सहायता समूह सीधे जुड़े हैं, जिनकी सदस्य संख्या 77,125 है। गौठानों से जुड़ने और गोधन न्याय योजना से महिला समूहों में स्वावलंबन के प्रति एक नया आत्मविश्वास जगा है। गौठानों में क्रय गोबर से विद्युत उत्पादन की शुरुआत की जा चुकी है। गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए कुमारप्पा नेशनल पेपर इंस्टिट्यूट जयपुर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के मध्य एमओयू हो चुका है। राज्य में गोधन के संरक्षण और सर्वधन के लिए गांवों में गौठानों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है।

10 फरवरी को होना है पहले चरण का मतदान

रैली और रोड शो पर पाबंदी 31 जनवरी तक बढ़ी, पहले चरण के लिए 28 जनवरी से मिलेगी थोड़ी छूट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। 10 फरवरी को पहले चरण का मतदान होना है। इसके लिए सभी पार्टियों ने प्रत्याशियों का भी एलान कर दिया है। राजनीतिक उठापठक के बीच चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। नेताओं के दल बदलने का सिलसिला भी जारी है। इन सबके साथ नेताओं की बयानबाजी और गुटबाजी भी अब सामने आने लगी है। सपा नेता आजम खान ने चुनाव प्रचार के लिए बेल देने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में लगाई है। खान रामपुर से सपा उम्मीदवार हैं। खान इस वक्त कई मामलों के चलते सीतापुर जेल में बंद हैं।

पहले चरण के चुनाव प्रचार के लिए राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को 28 जनवरी से कुछ छूट मिलेगी। वहीं, दूसरे चरण के लिए ये छूट एक फरवरी से मिलेगी। इस दौरान पार्टियां और उम्मीदवार फिजिकल पब्लिक मीटिंग कर सकेंगे। घर-घर चुनाव प्रचार के लिए 5 की जगह 10 लोग जा सकेंगे। कोरोना से जुड़ी पाबंदियों के साथ खुली जगहों पर वीडियो वैन लगाकर भी प्रचार किया जा सकेगा। चुनाव आयोग ने रैली और रोड शो पर लगी पाबंदी को 31 जनवरी तक बढ़ा दिया है। कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए आयोग ने ये पाबंदियां लगाई थी। जो आज खत्म हो रही थीं। आज हुई बैठक के बाद इन पाबंदियों को 31 जनवरी तक और बढ़ाने का फैसला लिया गया। चुनाव आयोग ने शनिवार को बरेली, फिरोजबाद व कानपुर नगर के जिलाधिकारियों व फिरोजाबाद और कौशांबी के पुलिस अधीक्षकों को हटाने का आदेश जारी किया है। आईएएस सूर्यपाल गंगवार को फिरोजाबाद, आईएएस शिवकांत द्विवेदी को बरेली व आईएएस नेहा शर्मा को कानपुर नगर का जिलाधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा, आईपीएस आशीष तिवारी को फिरोजाबाद व हेमराज मीणा को कौशांबी का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को बिजनौर दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने नगीना, बिजनौर और

मुजफ्फरनगर के नेताओं के साथ चर्चा की। गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को कैराना में यहां से 2014 में पलायन करने वाले परिवार से मिले। 2017 में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद ये परिवार वापस कैराना लौटा है। मीडिया से बात करते हुए अमित शाह ने कहा कि आज पश्चिम यूपी के कैराना से भारतीय जनता का पर्चा बांटकर यहां से प्रत्याशी मृगांका सिंह के लिए वोट मांगा। कैराना में आज का माहौल देखकर मुझे बड़ी शांति मिलती है। पूरे प्रदेश में विकास की एक नई लहर दिखाई देती है। मोदी जी ने जो सारी योजनाएं भेजी हैं उसे योगी जी ने नीचे तक लागू किया है। पहले कैराना में लोग पलायन करते थे। आज लोगों ने कहा कि योगी सरकार की वजह से हमें पलायन कराने वाले लोग पलायन कर गए। आज मैं पलायन करने वाले मित्तल परिवार के साथ बैठा था। उन्होंने कहा कि अब हमें कोई भय नहीं है।

भाजपा के साथ गठबंधन नहीं होने के बाद जनता दल यूनाइटेड ने शनिवार को उत्तर प्रदेश की 26 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया। पार्टी का कहना है वो कम से कम 51 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी अध्यक्ष ललन सिंह ने शनिवार को इसका एलान किया। इस दौरान उन्होंने गठबंधन नहीं होने पर अपनी ही पार्टी के नेता और मोदी सरकार में मंत्री आरसीपी सिंह को भी आड़े हाथों लिया। गृहमंत्री अमित शाह कैरान में हैं। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से भाजपा उम्मीदवार मृगांका सिंह के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने लोगों को सरकार के किए कामों के बार में भी बताया। घर-घर जाकर चुनाव आयोग ने प्रचार की अनुमति दी है। इस दौरान केवल पांच लोग जा सकते हैं, लेकिन शाह के प्रचार के दौरान भारी भीड़ देखी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार करने के लिए अलीगढ़ पहुंच चुके हैं। यहां पहुंचकर उन्होंने दीन दयाल अस्पताल का निरीक्षण किया।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में बाबू सिंह कुशवाहा और भारत मुक्ति मोर्चा के साथ गठबंधन का एलान किया है।

महिला को शख्स को संदेश भेजने के लिए मिलते थे डेढ़ लाख रुपये हर महीने

न्यूयार्क। महिला ने टिकटॉक पर खुलासा किया है, कि कैसे एक शख्स मुझे डेढ़ लाख रुपये हर महीने देता रहा है। ऐसा शख्स ने 3 सालों तक किया।इसके बदले महिला को बस संदेश भेजने होते थे।आखिर शख्स ऐसा क्यों करता था, खुद महिला ने वीडियो जारी कर बताया है।उसके वीडियो को 7.7 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। महिला का नाम बेली हंटर है, और वह अमेरिका की रहने वाली है।बेली ने अपने टिकटॉक अकाउंट पर वीडियो शेयर कर एक उम्रदराज शख्स द्वारा किए गए सभी लेन-देन का खुलासा किया है।वीडियों में बेली हंटर ने बताया कि वह उस शख्स से तब मिली थी, जब वह रेस्तरां में वेट्रेस का काम कर रही थी।शख्स उस समय एक कम उम्र की महिला के साथ डिनर कर रहा था।बेली ने उस सुगर डैडी बताया। बेली ने शख्स और उसकी पार्टनर को डिनर सर्व किया। लेकिन 2,900 रुपये बिल के बदले शख्स ने उस 7,400 रुपये टिप दी। साथ ही उसने अपना कार्ड भी वेट्रेस को दिया। जब कार्ड पर लिखे नंबर पर धन्यवाद देने के लिए बेली ने शख्स को संदेश भेजा,तब उसने कहा, तुम अद्भुत हो, तुम टिप के लायक हो, तुम आगे कब डिनर सर्व करोगी? मैं तब आऊंगा। कुछ और पैसे कमाने की संभावना से उत्साहित,बेली ने आदमी से कहा कि वह अगली बार भी वेट्रेस का काम कर रही होगी। और इस तरह बेली से उसका मेलजोल बढ़ता चला गया। बेली ने बताया शख्स ने मुझसे कहा, जब भी हम टेक्स्ट करेंगे, किसी दोस्त की तरह करेंगे।यानी प्यार भरी बातें।दोनों की बीच मैसेजिंग एप पर बात होने लगी। बेली के मुताबिक, शख्स बेहद सलीके और कैजुअली बात करता था। वह सिर्फ मैसेज करने और बात करने के बदले मुझे पैसे देता था।

बिहार में 2.30 से घटकर 1.97 प्रतिशत हुई संक्रमण दर, ठीक होने वाले बढ़े

पटना। बिहार में कोरोना के संक्रमण की दर दो फीसदी से नीचे आ गई है। राज्य में को 3009 नए कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान की गई। पिछले 24 घंटे में संक्रमण की दर 2.30 फीसदी से घटकर 1.97 फीसदी हो गई। वहीं, राज्य के 12 जिलों में संक्रमण दर एक फीसदी या उससे कम और 14 जिलों में एक से दो फीसदी या उससे कम है। तीन फीसदी से कम संक्रमण दर छह जिलों में और 4 व 5 फीसदी से कम संक्रमण दर क्रमशः तीन-तीन जिलों में है। पटना में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के मामले में कमी आई किंतु संक्रमण की दर में बढ़ोतरी दर्ज की गयी। पटना में संक्रमण की दर सर्वाधिक 10.81 फीसदी से बढ़कर 12.07 फीसदी हो गई। राज्य में पिछले सात दिनों से कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आ रही है। सिर्फ 18 जनवरी को आंशिक बढ़ोतरी हुई थी। इसके बाद पिछले चार दिनों में लगातार संक्रमण के मामले कम हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य के बांका, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, नालंदा, नवादा, रोहतास, शेखपुरा, शिवहर, सीतामढ़ी व सुपौल में संक्रमण दर एक फीसदी या उससे भी कम हो गई है। अररिया, अरवल, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गया, गोपालगंज, किशनगंज, मधुबनी, सीवान व वैशाली में एक से दो फीसदी या उससे कम संक्रमण दर हो गई है। वहीं, तीन फीसदी से कम संक्रमण दर औरंगाबाद, जमुई, लखीसराय, मुंगेर, मुजफ्फरपुर व सारण में रही, जबकि बेगूसराय, मधेपुरा व सहरसा में चार फीसदी से कम और पूर्णिया, समस्तीपुर व पश्चिमी चंपारण में पांच फीसदी से कम संक्रमण दर रही। सिर्फ पटना में 10 फीसदी से अधिक संक्रमण दर है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में 6896 संक्रमित मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हो गए और संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर 95.16 फीसदी से बढ़कर 95.66 फीसदी हो गया। इस दौरान राज्य में नौ संक्रमित मरीजों की इलाज के दौरान मौत हो गई। राज्य में वर्तमान में कोरोना संक्रमित 22,775 सक्रिय मरीज इलाजरत हैं। राज्य में अब तक कोरोना संक्रमित 8 लाख 5 हजार 751 मरीजों की पहचान हो चुकी है और इनमें से अब तक 7 लाख 70 हजार 802 संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

मध्यप्रदेश में करीब 23 लाख खाते खुलवाकर बनाया रिकार्ड, योजना के सफल 7 वर्ष पूरे होने पर सहयोगी नागरिकों को बधाई

बेटियों के सपनों को लगाएंगे पंख- मुख्यमंत्री

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए उनके स्वप्नों को साकार करना हम सभी का दायित्व है। केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और आम नागरिक मिलकर बेटियों के सपनों को पंख लगाएंगे। आज मध्यप्रदेश ने सुकन्या समृद्धि योजना में करीब 23 लाख खाते खुलवाने की उपलब्धि अर्जित की है। निश्चित ही बेटियों में बचत की प्रवृत्ति का विकास हो रहा है। उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास होंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटियों को सशक्त बनाने एवं उनका भविष्य सुरक्षित करने के उद्देश्य से शुरु की गई सुकन्या समृद्धि योजना के सफलतम 7 वर्ष आज पूर्ण हो रहे हैं। निश्चित ही एक सार्थक योजना के सफल 7 वर्ष पूर्ण होना हम सभी के लिए संतोष का विषय भी है। योजना की कामयाबी के लिए सभी सहयोगी नागरिक और परिवार बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हाल ही में सुकन्या समृद्धि योजना के क्रियान्वयन का जो प्रतिवेदन सामने आया है, उसके अनुसार बेटियों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें आत्म-निर्भर बनाने की इस योजना में प्रदेश में अब तक 22 लाख 94 हजार से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि समाज के सशक्तिकरण के लिए नारी का सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। आज पैदा हुई बेटी कल समाज, प्रदेश और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभा पाए इस उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित सुकन्या समृद्धि योजना मील का पत्थर साबित हुई है। आज बेटियाँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हर मुकाम हासिल कर रही हैं। हम सभी मिलकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करेंगे, तो वास्तविक अर्थों में बेटियों का निश्चित रूप से सशक्तिकरण होगा।

मुख्यमंत्री ने चिन्ना जियर स्वामी आश्रम में रोपा पौधा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हैदराबाद (तेलंगाना) प्रवास के दौरान चिन्ना जियर स्वामी आश्रम में प्रातः पौधा-रोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बकुला का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान ने भी पौधा लगाया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर की छतरपुर जिले की प्रशंसा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन के अनुरूप लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कृत संकल्पित है। आकांक्षी जिलों के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का मार्गदर्शन अत्यंत प्रेरक और उपयोगी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पिछड़े एवं वंचित इलाकों को आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विकास के मार्ग पर साथ लाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 112 आकांक्षी जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये आज हुए संवाद में हैदराबाद से सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस संवाद में जिलाधिकारियों और संभाग आयुक्तों को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि छतरपुर में गर्भवती महिलाओं का पंजीयन 375 से 975 हो गया। यह बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि कैसे प्राप्त की गई,यह दूसरे जिलों के लिए सीखने का विषय है। प्रशासनिक व्यवस्था के लिए यह एक नए सबक के समान है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रशासनिक अधिकारियों से जिलों में सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रगति और वर्तमान स्थिति के बारे में फीडबेक लिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं का जन-भागीदारी के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में अधिकतर योजनाएँ जन-भागीदारी के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का

छतरपुर में गर्भवती महिलाओं का पंजीयन 37 से बढ़कर 97 प्रतिशत हुआ | प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 112 आकांक्षी जिलों के अधिकारियों से किया संवाद

जन-सेवा और अधो-संरचनात्मक विकास निरंतर जारी रहेगा - गृहमंत्री

शिलान्यास, लोकार्पण कर आर्थिक सहायता के दिये चेक

भोपाल

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि जन-सेवा के कार्यों में कोई कमी नहीं आयेगी। उन्होंने कहा कि अधो-संरचनात्मक विकास के कार्य निरंतर होंगे। डॉ. मिश्रा ने शनिवार को दतिया में 6 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से नवीन तहसील भवन का शिलान्यास किया। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर कमाण्ड एण्ड कंट्रोल-सेंटर और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नई शाखा का शुभारंभ भी किया। डॉ. मिश्रा ने 5 प्रकरणों में हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक प्रदान किये।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने न्यू कलेक्ट्रेट परिसर में नवीन तहसील भवन का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि जिले का विकास अनवरत गति से होता रहेगा। जहाँ कहीं भी कमी नजर आयेगी, उसे दूर करने के हरसंभव प्रयास किये जायेंगे। डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता के कल्याण के लिये संचालित विभिन्न जन-हितैषी योजनाओं से प्रत्येक पात्र हितग्राही को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें।

डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर कमाण्ड एण्ड कंट्रोल-सेंटर का शुभारंभ

मंत्री डॉ. मिश्रा ने न्यू कलेक्ट्रेट परिसर में डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर कमाण्ड एण्ड कंट्रोल-सेंटर का शुभारंभ किया। उन्होंने सेंटर का अवलोकन भी किया। सेंटर के प्रारंभ हो जाने से जिले की सभी तहसीलों और नगरीय निकायों से मुख्यालय सीधा जुड़ा रहेगा और समय-समय पर प्राकृतिक और अन्य आवश्यक सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान किया जा सकेगा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नई शाखा का किया शुभारंभ

मंत्री डॉ. मिश्रा ने दतिया में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नई शाखा का शुभारंभ किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नागरिकों को बैंकिंग की बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी।

5 प्रकरणों में आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान किये

मंत्री डॉ. मिश्रा ने राजघाट कॉलोनी स्थित निवास पर नगर पंचायत बड़ौनी के 3 प्रकरणों में मृतकों के परिजन को अंत्येष्टि अनुग्रह योजना में सहायता राशि के चेक प्रदान किये। उन्होंने तहसील भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में ग्राम कामर के श्री लोकेन्द्र अहिरवार और श्री रंजीत उर्फ प्रिंस की दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर उनके परिजन को आरबीसी-6 (4) में 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किये।

गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों के लिये शासन ने तय की रूपरेखा

भोपाल

राजधानी भोपाल सहित सभी जिलों में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। राज्य शासन ने इस वर्ष नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के दृष्टिगत कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सभी विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त, कलेक्टर्स और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। गणतंत्र दिवस पर राज्य के समस्त महत्वपूर्ण शासकीय भवनों एवं ऐतिहासिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। राजधानी में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन लाल परेड ग्राउंड भोपाल में होगा। कार्यक्रम प्रातः 9 बजे शुरू होगा, जिसमें मुख्य अतिथि परेड की सलामी लेंगे तथा उपस्थित जनसभा को संबोधित करेंगे। परेड का आयोजन पिछले वर्ष की भांति किया जाएगा, जिसमें पुलिस, होमगार्ड, विशेष सशस्त्र बल, जेल वार्डन, सीआईएसएफ, आरएएफ एवं सीनियर एनसीसी छात्रों की टुकड़ियाँ शामिल होगी। परेड में एनएसएस, स्काउट-गाईड एवं शौर्यादल शामिल नहीं होगें। परेड के पश्चात घुड़सवारी का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद झांकियाँ निकाली जायेंगी। गणतंत्र दिवस पर जिला मुख्यालयों में गत वर्षानुसार मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संदेश का वाचन किया जाएगा। परेड का आयोजन सिर्फ जिला मुख्यालयों पर ही होगा।

नागरिकों को मिले त्वरित और सुलभ न्याय - कृषि मंत्री

भोपाल

किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने शनिवार को हरदा में सिविल लाइन्स थाने और टेमागाँव पुलिस चौकी के 94 लाख रुपये की लागत से नव-निर्मित भवनों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से लैस नव-निर्मित भवनों में नागरिकों को त्वरित और सुलभ न्याय मिले। इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन से जिले को बेहतर क्रिया-कलाप के लिये उत्कृष्ट बनाये। उन्होंने उपस्थितजनों से भी अपील की कि जहाँ कहीं भी जनता को गलत होता दिखाई दे, तत्काल उन्हें या पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर अथवा पुलिस अधीक्षक को सूचित करें।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश में चहुँओर विकास की बयार बह रही है। हर गाँव को हर क्षेत्र में आत्म-निर्भर बनाने की दिशा में सरकार प्रयासरत है। इसी दिशा में थानों को भी आधुनिक और सर्व-सुविधायुक्त बनाया जा रहा है। पुलिस को और अधिक व्यावसायिक रूप से दक्ष बनाने के लिये आधुनिक संसाधनों से लैस किया जा रहा है। पुलिस विभाग में अधिकारी-कर्मचारियों के प्रोत्साहन के लिये उच्चतर पद का प्रभार सौंपा गया है, जिससे कि वह और अधिक बेहतर तरीके से कर्त्तव्यों का निर्वहन कर सकें। मंत्री श्री पटेल ने हाल ही में पदोन्नत हुए अधिकारी-कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत एवं सम्मानित किया।

मंत्री श्री पटेल ने हरदा में ओव्हर-लोडिंग पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा नर्मदा मैया को सरकार ने जीवित इकाई घोषित किया है। उनके आँचल को छलनी करने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें।

अंडमान की तर्ज पर मध्यप्रदेश में शहीद स्मृति में नए तीर्थ का उदय

मध्यप्रदेश सरकार ने दिया नेताजी सुभाष चंद्र बोस को विशेष सम्मान

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 23 जनवरी 2021 को जबलपुर में केंद्रीय कारावास में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति में संग्रहालय के विकास और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बैरक को आमजन के लिए दर्शनार्थ प्रारंभ करने की घोषणा पर अमल की शुरूआत रविवार, 23 जनवरी 2022 को सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर हो रही है। इसके लिए जबलपुर में आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। सप्ताह में दो दिवस आमजन सुभाष चंद्र बोस जी के उस कक्ष को देख सकेंगे जहाँ उन्हें बंदी बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्ष 2007 में जबलपुर जेल का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर किया था। इसके साथ ही यहाँ स्मारक के निर्माण और विकास की पहल भी प्रारंभ हुई थी।

अंडमान निकोबार स्थित सेल्युलर जेल को जिस तरह वीर सावरकर मेमोरियल के रूप में विकसित किया गया है, उसी तरह जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस कारावास को एक प्रेरक स्थल के रूप में विकसित करने की ठोस पहल के अंतर्गत अनेक कार्य हुए हैं। इनमें प्रमुख रूप से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की उपयोग की गई वस्तुओं जैसे उनके वस्त्र, उन्हें पहनाई गई बेड़ियाँ, उनके हस्तलिखित पत्र और उनकी जेल यात्रा से संबंधित अभिलेख को संकलित कर एक संग्रहालय का स्वरूप दिया गया है।

जबलपुर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्मृति संग्रहालय तो भोपाल में प्रतिमा स्थापना की पहल

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर जेल का नाम किया था नेताजी जी के नाम पर

भोपाल में प्रतिमा की स्थापना

भोपाल में नवनिर्मित सुभाष नगर रेलवे ओवर ब्रिज के निकट नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित की गई है। साथ ही भोपाल में संस्कृति विभाग के सहयोग से आय एम सुभाष नाटक का मंचन भी शहीद भवन में हो रहा है। मध्यप्रदेश के लिए यह पहल इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नई दिल्ली में इंडिया गेट के पास नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापना की घोषणा की है।

राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देने का कार्य करेगा सुभाष वार्ड

नेताजी सुभाष चंद्र बोस केन्द्रीय जेल जबलपुर में स्थित सुभाष वार्ड देशभक्ति के प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित कर आमजन के लिए खोला जा रहा है। यहाँ पृथक मार्ग एवं प्रवेश द्वारा बनाया गया है। सुभाष वार्ड के दर्शन के लिए आने-जाने वालों के लिए एक स्वागत कक्ष भी होगा। जेल प्रशासन ने एक डाक्यूमेंट्री फिल्म तैयार की है, जो नेताजी के बलिदान और जीवन संघर्ष पर केन्द्रित है। लोक निर्माण विभाग के सहयोग से जेल के बंदी कलाकारों और श्रमिकों ने सुभाष वार्ड के जीर्णोद्धार और परिसर की साज-सज्जा का कार्य किया है।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना संक्रमितों को स्वस्थ होने के तीन महीने बाद लगेगा टीका

रायपुर। कोरोना संक्रमितों के टीकाकरण के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाइडलाइन जारी की है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कोविड-19 पीड़ित व्यक्तियों को उनके स्वस्थ होने के तीन माह बाद कोरोना से बचाव का टीका लगाया जाना है। यह गाइडलाइन स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 वर्ष से अधिक के लोगों को लगाए जा रहे प्रिकॉशन डोज के साथ ही सभी आयु वर्ग के टीकाकरण के लिए प्रभावी होगा।

सीएम से महामाया देवी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में श्री महामाया पब्लिक ट्रस्ट कमेटी के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने पाटन जामगांव एम में केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना के लिए ट्रस्ट से ली गई भूमि के बदले ग्राम रूही में ट्रस्ट को प्रदत्त 8.98 हेक्टेयर भूमि को कृषि के योग्य विकसित किए जाने तथा अपने विधायक फंड से वहां ट्यूबवेल स्थापित किए जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना के द्वितीय फेस के लिए जामगांव एम में ट्रस्ट द्वारा 8.98 हेक्टेयर भूमि दिए जाने की सराहना की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर महामाया देवी ट्रस्ट को हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया। इस अवसर पर श्री महामाया पब्लिक ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री आनंद शर्मा, सचिव श्री व्यास नारायण तिवारी, कोषाध्यक्ष श्री विजय अग्रवाल, श्री विजय झा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत हितग्राहियों का पंजीयन 5 फरवरी तक

गरियाबंद। जिला गरियाबंद में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत इस वर्ष विवाह कार्यक्रम 19 फरवरी 2022 को प्रस्तावित है। विवाह कार्यक्रम में शामिल होने हेतु इच्छुक जोड़े संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय फिंगेश्वर, छुरा,गरियाबंद, मैनपुर, देवभोग में 05 फरवरी 2022 तक पंजीयन करा सकते है। आवेदन एवं योजना के संबंध में अन्य आवश्यक जानकारी संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है। योजना का उद्देश्य- निर्धन परिवारों को कन्या के विवाह के संदर्भ में होने वाली आर्थिक कठिनाईयों का निवारण। विवाह के अवसर पर होने वाली फिजूल खर्ची को रोकना एवं सादगीपूर्ण विवाहों को बढ़ावा देना है। सामूहिक विवाहों के आयोजन के माध्यम से निर्धनों के मनोबल/आत्मसम्मान में वृद्धि एवं उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार कर सामूहिक विवाहों को प्रोत्साहन देना एवं विवाहों में दहेज के लेन-देन की रोकथाम करना। योजनांतर्गत पात्रता - कन्या को मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजनांतर्गत जारी राशन कार्ड धारित परिवार की होनी चाहिये। एक परिवार की अधिकतम दो कन्या लाभांवित की जा सकेगी। कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिये। कन्या प्रथम विवाह के लिए इस सहायता की पात्र होगी। सामूहिक विवाह में सम्मलित होने वाली कन्या को ही उक्त सहायता की पात्रता होगी। कन्या एवं उसके परिवार को छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी होना चाहिये।

किसानों को बड़ी राहत, राज्य में अब तक 78.92 लाख मीट्रिक टन धान की हो चुकी है खरीदी

अब 7 फरवरी तक समर्थन मूल्य पर धान खरीदेगी सरकार, मुख्यमंत्री ने की तारीख बढ़ाने की घोषणा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार ने किसानों को बड़ी राहत दी है। सरकार अब न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सात फरवरी तक धान खरीदी जारी रखेगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को धान खरीदी की समय सीमा एक सप्ताह तक आगे बढ़ाने की घोषणा की। पहले सरकारी खरीदी की अंतिम तारीख 31 जनवरी तक निर्धारित थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, धान बेचने के लिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। खरीदी की समय-सीमा बढ़ाई जा रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि पंजीकृत सभी किसानों से धान खरीदा जाएगा। अगर जरूरत पड़ी तो खरीदी की तारीख आगे भी बढ़ाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा से किसानों की बड़ी संख्या को राहत मिली है। पिछली दो बरसातों में धान के भीग जाने की वजह से बहुत से किसान अपना धान तय सीमा में बेच पाने में सक्षम नहीं थे। वहीं बरसात की वजह से सरकारी खरीदी भी कई दिनों तक बंद रही। ऐसे में धान बेचने के लिए तैयार किसानों का इंतजार बढ़ गया। खरीदी की तारीख एक सप्ताह आगे बढ़ाने से रुकी हुई खरीदी के दिनों का नुकसान पूरा करने की कोशिश है। छत्तीसगढ़ में धान की सरकारी खरीदी एक दिसम्बर से शुरू हुई थी। सरकार ने 31 जनवरी 2022 तक एक करोड़ 5 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने की तैयारी की थी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने धान उपार्जन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सीधे सोसायटियों से मिलर्स द्वारा धान का उठाव किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे उपार्जित धान के परिवहन व्यय बचने के साथ ही कस्टम मिलिंग तेजी से होगी। मुख्यमंत्री ने अप्रैल माह तक शत-प्रतिशत धान का उठाव सुनिश्चित करने के साथ ही कस्टम मिलिंग के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने धान के उपार्जन के साथ-साथ किसानों की राशि के भुगतान का भी विशेष रूप से ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने एफसीआई में आज की स्थिति में 6 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराए जाने को एक उपलब्धि बताया और इसकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि एफसीआई में लगातार लक्ष्य के अनुरूप चावल जमा होते रहे, यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

बैठक में खाद्य सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि राज्य में 21 जनवरी की स्थिति में 78.92 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है, जो कि इस साल के अवमानित लक्ष्य का 75 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि इस साल धान बेचने के लिए 24 लाख 5 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। धान का पंजीकृत रकबा 30 लाख 21 हजार हेक्टेयर है। इस साल पंजीकृत किसानों की संख्या में 2 लाख 52 हजार तथा रकबे में 2 लाख 28 हजार हेक्टेयर की वृद्धि हुई है, जो कि गत वर्ष की तुलना में क्रमशः 11.76 प्रतिशत एवं 8.20 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 19 लाख किसान धान बेच चुके हैं। समर्थन मूल्य पर क्रय किए जा चुके धान का मूल्य 15 हजार 335 करोड़ रूपए है। किसानों को शत-प्रतिशत राशि का भुगतान किया जा चुका है। किसानों द्वारा इस साल 71 हजार गठान बारदाना धान खरीदी के लिए उपलब्ध कराया गया, जिसकी कुल राशि 88.20 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि उपार्जित धान में से 41 लाख मीट्रिक टन का उठाव किया जा चुका है। धान खरीदी के लिए राज्य में पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है। राज्य में अब शेष अवधि में धान की खरीदी के लिए 1.30 लाख गठान बारदाने की आवश्यकता होगी, जबकि इसके लिए 1.52 गठान बारदाना उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इस साल उपार्जित धान के एवज में एफसीआई में लगभग 6 लाख मीट्रिक टन तथा नान में 4.63 लाख मीट्रिक टन इस प्रकार कुल 10.57 लाख मीट्रिक टन जमा कराया जा चुका है।

अभी करीब 25-26 लाख मीट्रिक टन की खरीदी बाकी

राज्य सरकार ने इस साल 24 लाख 5 हजार पंजीकृत किसानों से 105 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य बनाया था। यह धान 30 लाख 21 हजार हेक्टेयर खेतों से आना था। शुक्रवार तक सरकार ने 79 लाख मीट्रिक टन धान खरीद लिया था। यह धान 18 लाख 95 हजार किसानों से खरीदा गया है। अब 25-26 लाख मीट्रिक टन धान खरीदना ही शेष है।

नवपदस्थ सीईओ रोक्तिमा यादव ने किया पदभार ग्रहण

गरियाबंद। आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत के वर्तमान सीईओ श्री संदीप अग्रवाल को भावभीनी विदाई दी गई एवं नव आगंतुक जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोक्तिमा यादव का स्वागत किया गया। कलेक्टर नम्रता गांधी ने पुष्प गुच्छ देकर सीईओ को भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी एवं नए जिला पंचायत सीईओ का स्वागत किया। कलेक्टर एवं अधिकारियों ने श्री संदीप अग्रवाल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। ज्ञात है कि श्री अग्रवाल जिला पंचायत कबीरधाम में सीईओ के पद पर पदस्थ हुए हैं। वहीं रोक्तिमा यादव ने जिले में टीम भावना के साथ कार्य करने की बात कही। उन्होंने गरियाबंद में अपने पूर्व अनुभव भी साझा किए।

रोको और टोको टीम ने चलाया जन-जागरूकता अभियान

रायपुर। कोरोना संक्रमण को रोकने जिला प्रशासन, रायपुर के मार्गदर्शन में संचालित रोको और टोको अभियान के अंतर्गत आज यूनिसेफ, वी द पीपल और गुरुकुल महाविद्यालय के एन.एस.एस. कैडेट्स ने मिलकर विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जन-जागरूकता अभियान संचालित किया। इस टीम के द्वारा वीआईपी चौक, तेलीबांधा सहित अन्य चौक-चौराहों पर लाउडस्पीकर के माध्यम से सभी को टीकाकरण हेतु प्रेरित करते दिखे। इसके अलावा ये वॉलिंटियर्स कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने हेतु भी प्रेरित करते दिखे।

251 जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध हैं श्री धन्वंतरि मेडिकल स्टोर में

कोरिया। बाज़र में मिलने वाली महंगी दवाइयों से मरीजों और उनके परिजनों को राहत दिलाने शासन द्वारा शुरू धन्वंतरि जेनरिक मेडिकल स्टोर योजना को जनता की बेहतर प्रतिक्रिया मिल रही है। नगरपालिका मनेन्द्रगढ़ में स्थापित मेडिकल स्टोर में डेढ़ महीने में ही 650 से भी ज्यादा लोगों ने जेनेरिक दवाइयां खरीदी है। संचालित मेडिकल दुकानों में सर्दी, खा़सी, बुखार, ब्लड प्रेशर जैसी आम बीमारियों के साथ-साथ गंभीर बीमारियों की 251 जेनेरिक दवाएं, एंटीबायोटिक, सर्जिकल आइटम भी उपलब्ध है।मनेन्द्रगढ़ के अलावा नगर पालिक निगम चिरमिरी, नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा में भी मेडिकल स्टोर संचालित है। नगर पालिका निगम मनेन्द्रगढ़ में स्वामी विवेकानंद वार्ड में संचालित मेडिकल स्टोर में नवम्बर माह से अब तक 1 लाख 32 हजार 799 रुपए एमआरपी की दवाईयों पर 48 से 58 प्रतिशत तक की छूट मिली है, जिससे अब तक 676 हितग्राहियों को 75 हजार 374 की बचत के बाद जेनरिक दवाइयां मात्र 57 हजार 425 रुपए में प्राप्त हुई है। मनेन्द्रगढ़ धन्वन्तरि मेडिकल स्टोर में आयी महिला बताती हैं कि बाजार में 300 रुपए एमआरपी की मिलने वाली दवा, इस स्टोर में मात्र 126 रुपए में मिल गयी।

क्या है जेनेरिक दवाइयां

जेनरिक एवं ब्रॉडेड दवा का सॉल्ट समान - किसी एक बीमारी के ईलाज के सभी तरह के खोज और अनुसंधान के बाद एक केमिकल (सॉल्ट) तैयार किया जाता है जिसे आसानी से उपलब्ध करवाने के लिए दवा का रूप दे दिया जाता है। इस सॉल्ट को हर कंपनी अलग-अलग नामों से बेचती है, लेकिन इस सॉल्ट का जेनरिक नाम सॉल्ट के कम्पोजिशन और बीमारी का ध्यान रखते हुए एक विशेष समिति द्वारा नाम तय किया जाता है। किसी भी सॉल्ट का जेनरिक नाम पूरी दुनिया में एक ही रहता है। जेनरिक दवायें ब्रॉडेड दवाईयों से सस्ती होती हैं क्योंकि जेनरिक दवाईयों की कीमत तय करने के लिए सरकारी हस्तक्षेप होता है।

महिला की गोली मारकर हत्या

घर में अकेली थी, तभी हुई वारदात, खून से लथपथ मिली लाश

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। रात के वक्त महिला घर पर अकेली थी। इसी वक्त किसी ने उसे गोली मारी है। घरवालों को महिला की खून से लथपथ लाश मिली। मौके से देसी कट्?टा भी बरामद किया गया है। मामला कुकदूर थाना थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार रात को सनकपाट निवासी सरिता काठले (29) पति विजय काठले घर पर अकेली थी। घर के लोग काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान उसे किसी ने मारा है। घरवाले जब देर रात को लौटे। तब उन्होंने जमीन पर पड़ी हुई महिला की लाश देखी। महिला के शरीर से काफी खून बह चुका था। उसके पेट में गोली मारी गई थी। जिसकी वजह से उसकी तुरंत ही मौत हो गई थी। वारदात रात के वक्त 10 से 12 बजे की बीच की बताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस को भी इस बात की सूचन दी गई थी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद मौके से एक देसी कट्?टा भी बरामद किया गया है।

शनिवार को एफएसएल की टीम भी मौके पर गई थी। पुलिस अब इस मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में पंडरिया एसडीओपी नरेंद्र वेंताल का कहना है कि महिला की मौत गोली लगने से हुई है। वारदात को किसने अंजाम दिया। इसका पता लगाया जा रहा है। पोस्टमॉर्टम के लिए भी शव को भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के बाद सब कुछ सही तरीके से साफ हो सकेगा।

सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जिलों में गिर सकते हैं ओले

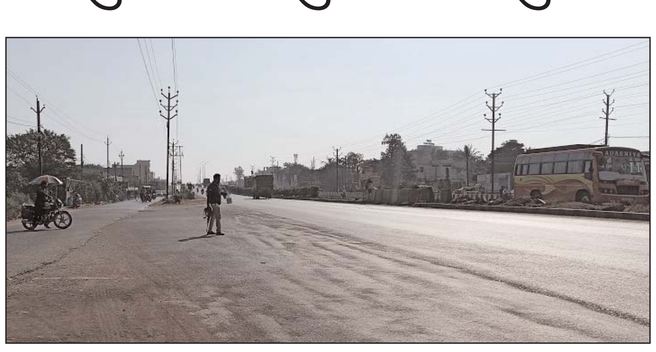

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चार संभागों के कुछ जिलों में एक-दो स्थानों पर ओला गिरने की संभावना बन रही है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में सरगुजा, बिलासपुर संभागों और उससे लगे रायपुर-दुर्ग संभाग के जिलों के लिए चेतावनी जारी की है।चेतावनी में प्रशासन को सावधान और अपडेट रहने को कहा गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार शाम से ही सरगुजा-बिलासपुर संभागों में मौसम बदल जाएगा। 23 जनवरी को प्रदेश के सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। यहां एक-दो स्थानों में गरज चमक के साथ ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। दुर्ग और रायपुर संभाग के उत्तर में स्थित जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। बिलासपुर से लगे रायपुर-दुर्ग के जिलों में एक-दो स्थानों पर ओला गिरने की भी आशंका जताई जा रही है। दुर्ग और रायपुर संभाग के शेष भाग और बस्तर संभाग के उत्तर भाग में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने 24 जनवरी को भी सरगुजा संभाग और उससे लगे जिलों में तथा बस्तर संभाग के जिलों में हल्की वर्षा होने की सम्भावना जताई है।

बारिश से दिन ठंडा होगा, रात का तापमान बढ़ेगा: मौसम विभाग के मुताबिक बादल और बरसात की वजह से 23 जनवरी से न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की सम्भावना है। वहीं अधिकतम तापमान में गिरावट होने की सम्भावना है। यानी दिन में ठंड बढ़ेगी। बारिश के बाद की हवाओं की वजह से ठंड का एहसास भी बढ़ेगा। मौसम साफ होने के बाद कोहरा बढ़ेगा।

यह मौसमी सिस्टम कराएगा बरसात

मौसम वैज्ञानिक एच.पी. चंद्रा ने बताया, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा पश्चिम राजस्थान के उपर एक निम्न दाब का क्षेत्र बना रहा है। इसके साथ पाकिस्तान के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 1.5 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके कारण प्रदेश में बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त गर्म हवा आ रही है। ऐसे में यहां हवा का एक सम्मिलन क्षेत्र बनने की संभावना बन रही है।

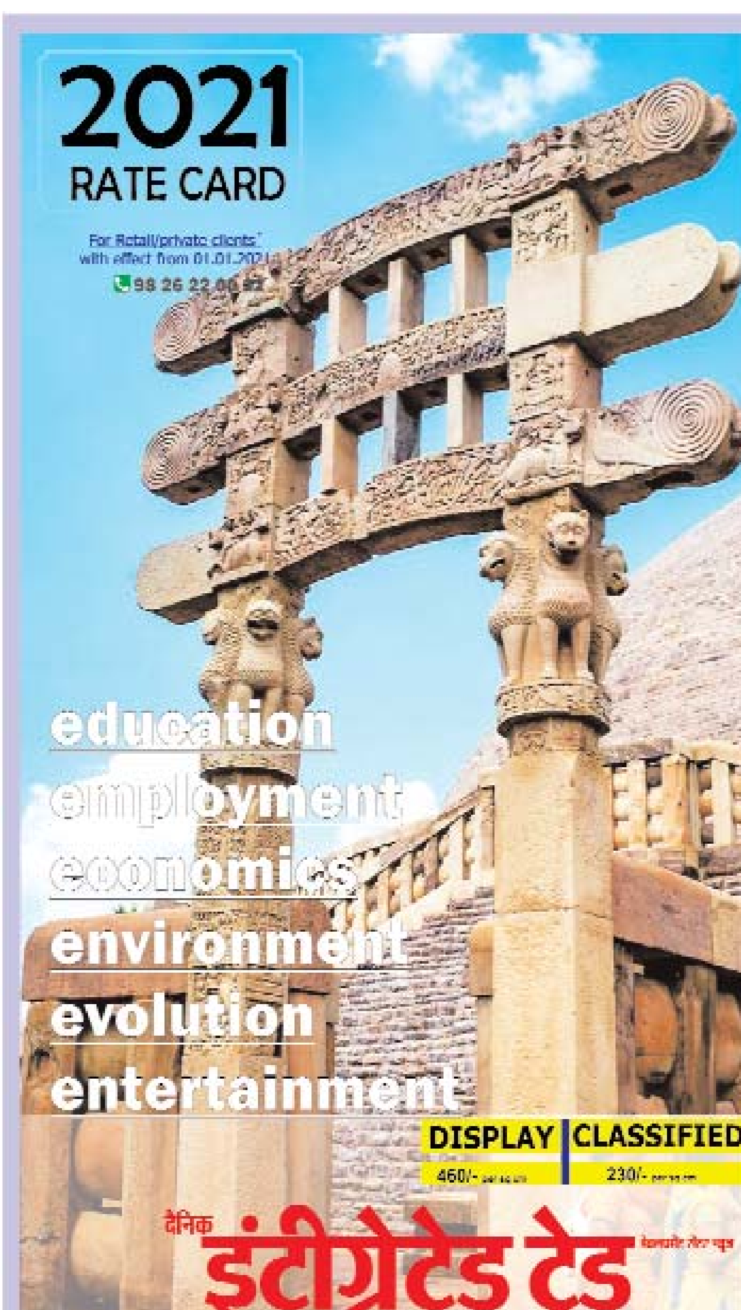

राजीव गांधी किसान न्याय योजना में मिलेट उत्पादक किसानों को 10 हजार रुपए तक प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी

कोदो, कुटकी और रागी की समर्थन मूल्य पर खरीदी जोरों पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ को देश का मिलेट हब बनाने के लिए शुरु किए गए मिलेट मिशन के तहत कोदो, कुटकी एवं रागी की फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी के साथ ही राजीव गांधी किसान न्याय योजना में किसानों को इन फसलों को इनपुट सब्सिडी देने का फैसला भी लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर कोदो, कुटकी और रागी की फसल लेने वाले किसानों को इनकी बिक्री में किसी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए राज्य की सभी प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। प्रदेश में अब तक सवा करोड़ रूपए से अधिक मूल्य की 4110 क्विंटल कोदो, कुटकी और रागी की खरीदी की गई है। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि मिलेट उत्पादन बढ़ाने के लिए के पीछे राज्य सरकार की मंशा है कि इन फसलों का अधिक से अधिक उपयोग बच्चों के कुपोषण दूर करने में किया जाए। समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने वाले मिलेट का उपयोग मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी के पोषण आहार कार्यक्रम में करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सभी प्राथमिक वन समितियों में इन फसलों की खरीदी की जा रही है।

मिलेगी इनपुट सब्सिडी

राज्य सरकार ने उपज की सही कीमत दिलाने के लिए समर्थन मूल्य घोषित किया है, साथ ही मिलेट फसलों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना में कोदो, कुटकी और रागी की फसल लेने वाले किसानों को 9 हजार रुपए प्रति एकड़ और धान के बदले कोदो-कुटकी और रागी की फसल लेने वाले किसानों को 10 हजार रुपए प्रति एकड़ इनपुट सबसिडी दी जाएगी। समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने वाले मिलेट का उपयोग मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी के पोषण आहार कार्यक्रम में किया जाएगा। राज्य लघु वनोपज सहकारी विपणन संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोदो और कुटकी की खरीदी 30 रुपए प्रति किलो और रागी की खरीदी 33.77 रुपए प्रति किलो की दर से की जा रही है। अब तक संग्राहकों से 2743 क्विंटल कोदो, 252 क्विंटल कुटकी काला, 656 क्विंटल कुटकी भूरा और 458 क्विंटल रागी की खरीदी की जा चुकी है।

कौन किस पर भारी.... कौन किसका आभारी....?

अब देश के पांच राज्य धीरे-धीरे चुनावी रंग में रंगते जा रहे है, इन राज्यों के आधुनिक भाग्यविधाताओं की हर सोच राजनीतिक सत्ता के रंग में सराबोर नजर आने लगी है, हर राजनीतिक दल एक-दूसरे से अधिक प्रभावी दिखने की स्पर्द्धा में शामिल है और जहां की हर गतिविधि राजनीति में लिपटी नजर आने लगी है।

इन पांच राज्यों में सबसे अहम राज्य है उत्तरप्रदेश, जो पूरे देश की सत्ता वउसकी राजनीति का मार्गदर्शक है, आज इस चुनावी दौर में इसीलिए यह राज्य सभी दलों के लिए अहम बना हुआ है और अब इस राज्य में वादों व घोषणाओं की बरसात हो रही है और बैचारा आम वोटर फिलहाल मूकदर्शक बना सब कुछ देखने समझने व भुगतने को मजबूर है और जहां तक राजनीति और राजनीतिक दलों का सवाल है, इनमें दिखावे और प्रदर्शन के अलावा कुछ भी नहीं है, हर कोई एक दूसरे से बढ़-चढ़कर ही बतारहा है।

किंतु आज इस माहौल में सबसे अधिक सोच-विचार का सवाल यह है कि देश की आजादी के बाद के अब तक के पचहत्तर सालों में देश में सब कुछ बदल गया किंतु हमारे आधुनिक भाग्यविधाताओं की सोच में कोई अंतर नजर नहीं आया, आज भी वही 1952 के पहले आम चुनाव की झलक हर कहीं नजर आती है, आज भी हर राजनेता देश की जनता या आम वोटर को उतना ही भोला-भाला और अज्ञानी मानता है और उसी प्राचीन तरीकों से अपने आपको अन्यों से 'सुपर' बताने की कौशिश करता है, चूंकि पिछले साढ़े सात दशकों में 'झूठे वादे' और 'आश्वासनों' पर जो राजनीति अवलम्बित रही है, वहीं आज भी है, जबकि हर वोटर उन वादों-आश्वासनों की पूर्ति का प्रतिशत अच्छी तरह जानता है, हर सत्तारूढ़ दल अपने सत्ताकालका विस्तार चाहता है तो सत्ताहीन हर तरीके से सत्ता पर काबिज होना चाहता है, इसी स्पर्द्धा में आज की राजनीति खो गई है और हर अक्षम-सक्षम को सत्ता के करीब ले जाने वाले को कोई याद नहीं रखता। अब ऐसे में यह स्पष्ट ही नही होता कि कौन किस पर भारी है और कौन किसका आभारी है? हर राजनीतिक दल अपने आकर्षक और कभी न पूरे होने वाले वादों की नुमाईश लगाकर बैठा है और आम वोटर यह सब देखने को मजबूर है क्योंकि उसके पास इसके अलावा कोई विकल्प नही है, उसे यह अच्छी तरह पता है कि यह नुमाईश केवल और केवल दिखावटी है, फिर भी उसे इसे देखने, इन पर विश्वास करने और इन्हें वोट देने की मजबूरी है, क्योंकि फिर वही विकल्प का अभाव....?

....फिर इसी माहौल में एक बार फिर याद आता है कि हमारे प्रजातंत्र को लगी 'दल-बदल' की दीमक हमारे कानूनी-गैरकानूनी लाख प्रयासों के बाद भी खत्म नही हो पाई, प्रजातंत्र के पचहत्तरवें साल में भी आज यहीसब चल रहा है, हमने लाख दलबदल कानून बनाए, उन्हें लागू करने का दिखावा भी किया, किंतु क्या वे प्रभावी सिद्ध हो पाए? आज इसी अभिशाप का उत्तरप्रदेश केन्द्र बिन्दु बना हुआ है.... और सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि इस गैर प्रजातंत्री प्रथा पर आत्मचिंतन आज तक किसी भी राजनेता या उसके राजनीतिक दल ने नहीं किया? और हर कोई इसका लाभ उठाने को आतुर दिखाई दिया न तो ऐसे अवसरवादी राजनैताओं को कभी कानूनी दण्ड का भागीदार बनाया गया और न कभी इस कानूनी को गंभीरता से अंगीकार ही किया गया अब इसके लिए कौन दोषी है, इस पर भी न कभी सत्ता ने विचार किया न सत्तासीनों ने और न कानून बनाने वालो ने....?

....और इसी कारण यह रोग अब गंभीर महारोग बनकर सामने आ गया है....। अब ऐसे में हम हमारे प्रजातंत्र के साथ कितना न्याय या अन्याय कर रहे है.... इस सवाल का जवाब ढूंढने की भी किसी को फुर्सत नही है। अब तो हर किसी को बस सत्ता चाहिये, न उससे कम न उससे अधिक।

संपादकीय

मजबूती से विकास की राह पर फिर लौटी अर्थव्यवस्था

अप्रैल-जून 2021 में 20.1 फीसद का इजाफा हुआ था। ये आंकड़े साफ बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से विकास की राह पर फिर लौट चली है। वित्त मंत्रालय की नवंबर, 2021 महीने के लिए मासिक आर्थिक रिपोर्ट के अनुसार भारत कोविड-19 की वजह से अर्थव्यवस्था में आई गिरावट से चालू वित्त वर्ष 2021-22 में तेजी से उभरने वाले कुछ देशों में होगा।

कोरोना काल में बाजार कुछ समय तक सुन्न अवस्था में रहे, फिर उनमें एक अलग की किस्म की बेफिक्री आ गई और अब जो स्थितियां हैं, उनमें तो साफ माना जा सकता है कि शेयर बाजार की चाल कोरोना से मुक्त हो चुकी है। इसके गंभीर अर्थ और आशय हैं। केंद्र सरकार की ओर से नवंबर में जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितंबर 2021 के दौरान अर्थव्यवस्था में 8.4 फीसद का विकास हुआ। इससे पहले की तिमाही यानी अप्रैल-जून 2021 में 20.1 फीसद का इजाफा हुआ था। ये आंकड़े साफ बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से विकास की राह पर फिर लौट चली है। वित्त मंत्रालय की नवंबर, 2021 महीने के लिए मासिक आर्थिक रिपोर्ट के अनुसार भारत कोविड-19 की वजह से अर्थव्यवस्था में आई गिरावट से चालू वित्त वर्ष 2021-22 में तेजी से उभरने वाले कुछ देशों में होगा। साथ ही, देश में तेजी से टीकाकरण की वजह से कोरोना विषाणु के नए स्वरूप ओमीक्रान से अर्थव्यवस्था पर अधिक गंभीर प्रभाव नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की उन चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं में से है, जो संकुचन से अधिक तेजी से उबरेंगी। यानी कोरोना के ओमिक्रॉन स्वरूप को लेकर भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है, ऐसा वित्त मंत्रालय का मानना है। जीएसटी संग्रह से भी अर्थव्यवस्था में मजबूती दिखाई देती है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह दिसंबर, 2021 में इससे पिछले साल के समान महीने की तुलना में तेरह फीसद बढ़ कर 1.29 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया। दिसंबर में जीएसटी संग्रह नवंबर के 1.31 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से कम रहा है। दिसंबर, 2021 में लगातार छठे महीने सरकार का जीएसटी राजस्व एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है, यानी जीएसटी के मोर्चे पर अर्थव्यवस्था मजबूत दिखाई दे रही है। चिंताएं अपनी जगह हैं। ओमिक्रॉन की वजह

से तमाम कंपनियां परेशान हैं। आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की आशंका है। महंगाई अब बड़ी चिंता है। रिजर्व बैंक के अनुसार अक्टूबर 2021 में ईंधन की महंगाई तो 14.3 फीसद के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई थी।

गौरतलब है कि ईंधन के महंगे होने का असर देर-सबेर हर चीज की महंगाई पर पड़ता है। रिजर्व बैंक का आकलन है कि खुदरा महंगाई दर 2021-22 में 5.3 फीसद रहेगी। यह दर खासी चिंता बढ़ाने वाली है। दिसंबर 2021 की खुदरा महंगाई के आंकड़े भी आ गए हैं। दिसंबर 2021 में खुदरा महंगाई 5.59 फीसद रही, यानी रिजर्व बैंक द्वारा तय की गई खतरे की सीमा यानी छह फीसद के करीब। खुदरा महंगाई का स्तर जो दिसंबर 2021 में दर्ज किया गया, वह पांच महीनों का उच्चतम स्तर है। यानी महंगाई फिर सिर उठा रही है। और संकट यह भी है कि कच्चे तेल के भाव वैश्विक बाजार में फिर दहाड़ रहे हैं। कच्चे तेल के भाव दो महीनों के उच्चतम स्तर पर हैं। महंगाई कई तरह से चोट करती है। एक तरफ तो खरीद क्षमता को कुतर जाती है और दूसरी तरफ ब्याज से मिलने वाली आय को बौना बना देती है। महंगाई बुजुर्गों के जीवन स्तर को लगातार गिराती है, जो कम गंभीर मसला नहीं है। महंगाई पर रोक लगाना सरकार के हाथ में एक हद ही संभव है। महंगाई की चोट हर वह शख्स महसूस कर सकता है जो पेट्रोल पंप से पेट्रोल आदि लेता है। पेट्रोल के भाव बढने से लगभग हर चीज की महंगाई बढ़ जाती है, ऐसा सामने आता है। सरकार को इस मसले पर गंभीरता से विचार करना ही चाहिए कि किस तरह से महंगाई को कम किया जाए ताकि कोरोना की मंदी से ग्रस्त लोगों को कुछ राहत मिल सके। घरेलू बाजार में कर्ज की लागत कम हुई है। यह बात बिलकुल सही है कि कर्ज लेने की लागत यानी ब्याज दरों में कमी आई है और उद्यमियों को आसानी से सस्ती दरों पर कर्ज मिल रहा है। यही नहीं, पूंजी बाजार में नई कंपनियों के शेयरों को जम कर खरीदा जा रहा है। यानी पूंजी की कमी कहीं नहीं है। पर सवाल दूसरा है। पूंजी भी है, कारोबार भी है, मांग नहीं है। मांग हर क्षेत्र में मजबूत नहीं है। सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है सेवा क्षेत्र। होटल, पर्यटन स्थल सब अब भी वीरान ही हैं। सिनेमा हाल भी राह ताक रहे हैं कि कब दर्शक आएंगे। ओमिक्रॉन के कारण सरकारों ने माल, सिनेमा हाल आदि पर नए प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए हैं। महंगाई का अर्थशास्त्र आम आदमी की जेब को चौपट कर रहा है। कोरोना से अर्थव्यवस्था बड़ी हद तक बच गई है, पर महंगाई के असर से बचना आसान नहीं है। इसलिए यह खतरा बना हुआ है कि कहीं महंगाई कई किस्म की आर्थिक संभावनाओं पर पानी ना फेर दे।

आजादी की जंग को नई धार देने वाला महानायक

सुभाष का शाब्दिक अर्थ उदय होता है। उदय अर्थात उगना(ऐराइस)। सुभाष चंद्र बोस उगते हुए सूरज के सामान थे। सूर्य रूपी सुभाष का उदय अंधकार रूपी गुलामी को ख़त्म करने के लिए हुआ था। सुभाष का उदय ही गुलामी की जंजीर में जकड़े हुए भारत को स्वतंत्र कराने के लिए हुआ था। हिन्दुओं के पवित्र ग्रन्थ उपनिषदङ्क बृहदारण्यकोपनिषद् 1.3.28 में एक श्लोक है- असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतं गमय ॥ अर्थ- मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो। मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो॥ राष्ट्र को असत्य से सत्य, अंधकार से प्रकाश और मृत्यु से अमरत्व का पाठ पढ़ाने वाले सुभाष जी शानदार व्यक्तित्व के धनी थे। राष्ट्र प्रेम में मृत्यु ,अमरत्व की ओर ले जाती है। अतएव राष्ट्र भक्ति से बढ़कर कोई भक्ति नहीं होती है। राष्ट्र भक्ति में जान भी गवानी पड़े तो वह मृत्यु नहीं अपितु अमरत्व कहलाती है। वर्ष 2022 में भारतीय स्वतंत्रता के प्रमुख सेनानी नेता जी सुभाषचन्द्र बोस की 126 वीं जयंती है। भारत में प्रत्येक वर्ष के 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती बड़े ही धूम धाम से मनाई जाती है। सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा प्रांत में कटक में हुआ था। उनके पिता जानकी दास बोस एक प्रसिद्ध वकील थे। प्रारम्भिक शिक्षा कटक में प्राप्त करने के बाद यह कलकता में उच्च शिक्षा के लिये गये। नेताजी सुभाष चंद्र बोस,स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान से बहुत ज्यादा प्रभावित थे। सुभाष चन्द्र बोस भारतीय इतिहास के ऐसे युग पुरुष हैं जिन्होंने आजादी की जंग को नई धार दी थी। भारत को आजाद कराने में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अहम भूमिका थी। नेता जी सुभाष चंद्र बोस, भारतीय इतिहास का एक ऐसा चरित्र है जिसकी तुलना विश्व में किसी से नहीं की जा सकती। सुभाष चंद्र बोस वर्ष 1920 में भारतीय सिविल सेवा (आई सी एस) परीक्षा में चौथा स्थान पाए थे। अंग्रेजी हुकूमत के समय आई सी एस परीक्षा पास करने वाले ये पहले भारतीय थे। सुभाष जी ने दुनिया के सबसे बड़े तानाशाह हिटलर से मुलाकात की थी। सुभाष जी की देशभक्ति देख कर हिटलर उनके बड़े प्रशंसक बन गए थे। सुभाष चंद्र बोस को नेता जी कहा जाता है। नेता का शाब्दिक अर्थ होता है नेतृत्व करने वाला अर्थात अगुआ या अगुआई करने वाला। यह उपाधि,भारत में सिर्फ सुभाष चंद्र बोस को ही मिली है। जर्मनी के तानाशाह अडोल्फ हिटलर ने ही सुभाष चंद्र बोस को पहली बार नेताजी कहकर बुलाया था। कर्मठ क्रांतिकारियों में उस समय भगत सिंह भी भारत को आज़ाद कराने के लिए जी जान से

लगे थे। अंग्रेज सरकार ने भगत सिंह को गिरफ्तार कर लिया था और उन्हें फाँसी की सज़ा सुनाई गई थी। नेता जी भगत सिंह को फाँसी की सजा से बचाना चाहते थे। उस समय महात्मा गाँधी ने अंग्रेज सरकार से समझता किया और सभी कैदियों को रिहा करवा दिया लेकिन अंग्रेज सरकार ने भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी को रिहा करने से साफ़ इंकार कर दिया था। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह को फांसी दी गई। नेता जी ने महात्मा गांधी को अंग्रेज सरकार के साथ करार तोड़ने को कहा था लेकिन गांधी जी नहीं माने। इसके बाद नेता जी और महात्मा गांधी में अनबन हो गई। यही वजह नेता जी और गांधी जी में मतभेद का कारण बनी थी। वर्ष 1936 ई. में नेता जी ने भारत की आजादी के लिए विदेशी नेताओं से दवाब डलवाने के लिए इटली में मुसोलिनी, आयरलैंड में वलेरा, फ्रांस में रोमा रोनाल्ड और जर्मनी के शासक से मुलाक़ात की। दुनिया इन तानाशाहों से डरती थी पर नेता जी ऐसे शख्स थे कि इन तानाशाहों से भारत की आज़ादी के लिए मदद मांगने पंहुचे।

वर्ष 1938 ई. में हरिपुर अधिवेशन में नेता जी को कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। रविंद्र नाथ टैगोर ने शांति निकेतन में नेता जी का सम्मान किया। वर्ष 1939 में नेता जी ने महात्मा गांधी के उम्मीदवार सीतारमय्या को हराकर एक बार फिर कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर कब्जा किया। नेता जी ने नवंबर 1941 ई. में स्वतंत्र भारत केंद्र और स्वतंत्र भारत रेडियो की स्थापना की थी। जिसका लक्ष्य आज़ादी की लड़ाई के लिए भारत में सन्देश पहुँचाना था। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना की गई थी। आजाद हिंद फौज की स्थापना टोक्यो (जापान) में 1942 ई. में रास बिहारी बोस ने की थी। इसका उद्देश्य द्वितीय विश्वयुद्ध (1 सितम्बर 1939 ङ्क 2 सितम्बर 1945) के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ना था। आजाद हिंद फौज का जापान ने काफी सहयोग दिया था। देश के बाहर रह रहे लोग आजाद हिन्द फौज में शामिल हो गए। सुभाष चंद्र बोस के रेडियो पर किए गए एक आह्वान के बाद रास बिहारी बोस ने 4 जुलाई 1943 को 46 वर्षीय सुभाष को इसका नेतृत्व सौंप दिया। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाष चंद्र बोस ने सिंगापुर में अस्थायी भारत सरकार आज़ाद हिन्द सरकार की स्थापना की। नेताजी ने ये घोषणा सिंगापुर के कैथे सिनेमा हाल में की थी। स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार की स्थापना की ऐतिहासिक घोषणा सुनने के लिए इस सिनेमा हाल में लोग खचाखच इकट्ठे थे। सुभाष चंद्र बोस इस सरकार के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सेनाध्यक्ष तीनों थे। इस सरकार को जर्मनी, जापान, फिलीपीन्स, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दे दी थी। आजाद हिन्द फ़ौज के संरक्षक के रूप में क्रमशः मोहन सिंह- रास बिहारी बोस- सुभाष चंद्र बोस थे। कहने का तात्पर्य आजाद हिंद फौज की स्थापना का विचार सबसे पहले जनरल मोहन सिंह के मन में आया था। रास बिहारी बोस ने आजाद हिन्द फौज को जिन्दा रखा और सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज का पुनर्गठन और नेतृत्व किया। जुलाई 1943 में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने %झांसी की रानी% रेजिमेंट बनाई थी। झांसी की रानी रेजिमेंट भारतीय राष्ट्रीय सेना की महिला रेजिमेंट थी। झांसी की रानी रेजिमेंट को लीड करने की जिम्मेदारी लक्ष्मी सहगल को सौंपा गया था, जिन्होंने खुद ऐसा करने की इच्छा जताई थी। नेताजी लक्ष्मी के बहादुरी से प्रभावित हुए और उन्हें कैप्टन बना दिया था। इससे स्पष्ट होता है कि नेता जी की फौज में पुरुष और महिलाएं दोनों थे। पुरुष और महिलाएं दोनों ने आज़ादी की लड़ाई में भरपूर योगदान दिया था। 21 मार्च 1944 ई. को चलो दिल्ली के नारे के साथ आजाद हिंद फौज का हिन्दुस्तान की धरती पर आगमन हुआ। आजाद हिंद फौज एक आजाद हिंद रेडियो का इस्तेमाल करती थी, जो लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित करती थी। इस पर अंग्रेजी, हिंदी, मराठी,बंगाली,पंजाबी,पाश्तू और उर्दू में खबरों का प्रसारण होता था।

केंद्रीय बजट पर चुनाव और महामारी के बादल

2021 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि नए श्रम कानून 1 अप्रैल 2021 से लागू होंगे। ये चार लेबर कोड हैं जो मौजूदा 29 श्रम कानूनों की जगह लेंगे जिससे देश में श्रम बाजार की स्थिति में काफी सुधार होगा। मोदी सरकार द्वारा किया गया यह एक बड़ा आर्थिक सुधार है। ये चार कोड विधेयक के रूप में पहले ही संसद द्वारा अलग-अलग पारित किए जा चुके हैं और चूंकि श्रम एक समवर्ती विषय है इसलिए श्रम मंत्रालय तथा संबंधित राज्य सरकारों द्वारा नियम बनाए जाने के बाद ही प्रभावशील होंगे।

लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक इन नियमों को अधिसूचित नहीं किया है। इसका एक कारण पांच राज्यों की विधानसभाओं के आगामी चुनाव हो सकते हैं। श्रम सुधार तो सबसे अच्छे समय में भी कठिन साबित हो सकते हैं किन्तु जब चुनावों में अत्यंत करीबी संघर्ष हो तो राजनीतिक चुनावी प्रतिस्पर्धा के समय राजनीतिक प्रतिष्ठा को दांव पर क्यों लगाया जाए नए कोड का एक प्रभाव यह है कि कर्मचारियों के टेक होम वेतन कम हो सकते हैं क्योंकि पेंशन में अधिक भागीदारी को अनिवार्य कर दिया गया है। नियोक्ताओं का हिस्सा भी बढ़ सकता है। एक सुधार यह है कि 300 से कम कर्मचारियों वाली फर्मों को छंटनी के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं है। एक और सुविधा फिक्स्ड टर्म रोजगार की एक नई श्रेणी है जो नियोक्ताओं को श्रमिकों को %स्थायी% बनाने के बोझ से राहत दिलाती है। चूंकि इस तरह के प्रत्येक सुधार से एक ऐसा समुदाय तैयार होगा जो इससे प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा। वह असंतोष का माहौल बना सकता है इसलिए चुनाव संपन्न होने तक यथास्थिति बनाए रखी जानी चाहिए।

तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की जरूरत भी शायद इन चुनावों के मद्देनज़र महसूस की गयी है। बेशक, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसानों का एक वर्ष तक चला आंदोलन भी यह निर्णय लेने का एक बड़ा कारण है। तीन कृषि सुधार कानूनों का सबसे ज्यादा विरोध पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किया गया

जहां चुनाव होने वाले हैं इसलिए चुनावी संभावनाओं ने निश्चित रूप से कृषि कानूनों को निरस्त करने के अंतिम निर्णय को प्रभावित किया है।

मार्च 2020 में महामारी राहत के रूप में मुफ्त राशन योजना शुरू की गई थी और अब इसे मार्च 2022 के अंत तक बढ़ा दिया गया है। यह योजना प्रधानमंत्री ग्राम कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) के अतिरिक्त है जिसमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोग शामिल हैं। कोविड-19 की पहली लहर के समय इसे लागू किया गया था तथा इसमें प्रति परिवार प्रति माह 5 किलो खाद्यान्न का मुफ्त वितरण आवश्यक था। इसे पहले भी दो बार बढ़ाया जा चुका है। हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने मुफ्त राशन की मात्रा को दोगुना करने तथा इस योजना का विस्तार मार्च 2022 के अंत तक करने की घोषणा की। इसके बाद केंद्र सरकार ने इसका अनुसरण किया तथा यह योजना अब पूरे देश में लागू की गयी है। नवंबर 2021 में अगले चार महीने के लिए किया गया यह पांचवां विस्तार भी चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया प्रतीत होता है। मुफ्त राशन योजना के विस्तार से केन्द्र सरकार पर लगभग 53,000 करोड़ का बोझ पड़ रहा है जिसमें 1.63 लाख टन खाद्यान्न का अतिरिक्त वितरण किया जाएगा। मार्च 2020 के बाद से दो वर्षों में पीएमजीकेवाई की लागत 260,000 करोड़ है और इसके तहत 6 करोड़ टन खाद्यान्न वितरित किया जाएगा। यह दुनिया में अब तक की सबसे बड़ी मुफ्त खाद्यान्न वितरण योजना है। इस वित्त वर्ष के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 10 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। मुफ्त खाद्य योजना को कल्याणकारी योजना के दृष्टिकोण से जारी रखना तो जरूरी है पर इस बात की भी पुष्टि होती है कि चुनावी संभावनाओं के मद्देनजर भी यह योजना शुरू रखी गयी है।

इसलिए हम श्रम कानूनों में नए सुधारों के नियमों को अधिसूचित करने में देरी या कृषि कानूनों को निरस्त करना अथवा पीएमजीकेवाई के उदार विस्तार के पीछे राजनीतिक तथा चुनावी दृष्टिकोण को देख सकते हैं। यहां तक कि पिछले बजट में घोषित परिसंपत्ति मुद्रीकीकरण की पहल भी राजनीतिक प्रतिरोध के कारण धीमी रही है। निजीकरण के विरोध में बैंक यूनियनें भी अपनी आवाजें उठा रहीं हैं।

दो और घटक भी मैदान में हैं। पहली, तथाकथित ओमिक्रॉन-चरण के रूप में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर है। यह बहुत अधिक संक्रामक और एक तेजी से प्रसारित होने वाली लेकिन कम शक्तिशाली होने तथा इसमें मृत्यु दर कम रहने की संभावना है, किन्तु इसने अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, दोपहिया वाहनों की बिक्री, खुदरा क्षेत्र में उपभोक्ता खर्च, शहरी बेरोजगारी आदि जैसे आर्थिक आंकड़ों में बड़ी मंदी साफ झलक रही है। उम्मीद है कि यह एक अस्थायी झटका होगा और ओमीक्रॉन का कांटा जल्द ही दूर हो जाएगा।

जैसा सोचेंगे वैसा ही फल मिलेगा

यदि आपका मन प्रसन्न नहीं है तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप स्वंय हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई संबध नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा। हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्रों में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मन।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं।

वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुखी होता है और प्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं।

बिना रुके उड़ता रहा 11,500 किमी

एक मादा पक्षी ने करीब 11,500 किमी की सतत उड़ान भरी और अलास्का से न्यूजीलैंड पहुँच गया। न तो इस दौरान उसने कुछ खाया न पिया। जीव विज्ञानियों का कहना है कि यह अब तक की सबसे लंबी उड़ान है। यह सब पता लगा एक ट्रांसमीटर की वजह से। परंतु खासियत यह है कि इस उड़ान में उसने नींद भी निकाल ली।

इस पक्षी को शोरबर्ड कहा जाता है और ये आर्कटिक के आसपास के क्षेत्रों में पाया जाता है। हर साल शीत के पहले ये अपना स्थान छोड़कर अन्य स्थान की ओर निकल जाता है। न्यूजीलैंड के मैसे यूनिवर्सिटी के फिल बैटले का कहना है कि यह अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के दौरान पता लगा कि इस पक्षी ने इतनी लंबी दूरी नापी है। हर सितंबर में इस प्रजाति के करीब 70,000 पक्षी अलास्का से उड़ान भरकर न्यूजीलैंड में पहुँच जाते हैं। मार्च होते ही ये वापस आ जाते हैं।

आदमी दौड़े तो

न्यूजीलैंड की ऑर्निथोलॉजिकल सोसायटी के सर्वेसर्वा श्री रॉब स्कूककर्ड का कहना है कि यह उल्लेखनीय उड़ान है। उनका कहना है कि यदि आदमी से इस उड़ान की तुलना करें तो यह हर घंटे में 70 किमी की दौड़ होगी और करीब सात दिन से ज्यादा तक लगातार दौड़ना होगा। सैटेलाइट के आँकड़े बताते हैं कि पक्षी की उड़ान 56 किमी प्रति घंटे की थी। यदि हवा साथ देती तो यह करीब 4 किमी और बढ़ जाता।

ऐसे सोता है

इस उड़ान के दौरान पक्षी ने अपनी नींद भी निकाली। उसने अपने एक ओर का मस्तिष्क बंद कर दिया और अपने में जमा वसा जलाई, जो कि उसके वजन का करीब आधा थी। ये पक्षी बहुत अच्छी तरह से जानता है कि उत्तर कहाँ है दक्षिण कहाँ है।

ऐसे पता चला

इनके मार्ग का अध्ययन करने के लिए बैटले ने करीब 16 पक्षियों में सैटेलाइट ट्रांसमीटर लगा दिए थे। ये काम पिछले साल गर्मी में न्यूजीलैंड में ही कर दिया गया था। यह जानकर उनको आश्चर्य हुआ कि वह इतनी लंबी उड़ान भर गया।

वृक्ष कैसे-कैसे

- न्यूजीलैंड में 'मिंका' नामक एक वृक्ष पाया जाता है। उस वृक्ष के तने से मक्खन जैसा द्रव निकलता है, जो गाढ़ा भी होता है और बेहद मीठा भी। वहाँ के लोग मक्खन के बजाए उस द्रव का ही उपयोग प्रतिदिन भोजन में करते हैं।
- वेस्टइंडीज के सूडानइलेह वन में एक वृक्ष पाया जाता है। इस वृक्ष को मोर्निंग ट्री (शोकाकुल वृक्ष) कहते हैं। इस वृक्ष से दिन भर संगीत की स्वर लहरियाँ निकलती हैं, मगर शाम होते ही वृक्ष से रोने की आवाज आती है।
- ऑस्ट्रेलिया में 'टिनास' नामक एक वृक्ष पाया जाता है, जो साल में दो बार अपनी छाल बदल लेता है।
- जावा (सुमात्रा) के समुद्र तट पर एक नरभक्षक वृक्ष पाया जाता है। इस वृक्ष के नीचे जो कोई भी प्राणी खड़ा हो जाता है, उसे यह अपनी खतरनाक टहनियों से ढँक लेता है। प्राणी मर जाता है, तो टहनियाँ अपने आप ऊपर उठ जाती हैं।
- अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में हैंबेलेट स्टेट नामक एक पार्क है। इस पार्क में 'जैट सेकुजा' वृक्ष की ऊँचाई लगभग 122 मीटर है।
- कोलकाता के बोटेनिकल गार्डन में एक विशाल वटवृक्ष है, जो दस एकड़ जमीन पर फैला हुआ है। यह 27 मीटर ऊँचा है तथा 241 वर्ष पुराना।

तुर्कमेनिस्तान में है 'नरक का दरवाजा' सालों से धधक रही हैं आग की लपटें

हम लोग अक्सर स्वर्ग को लेकर कल्पना करते हैं कि वो कितना खूबसूरत होगा। गोल्डन गेट से एंट्री होकर परियां हमारा स्वागत करेंगी और जब हम नर्क को लेकर सोचतो हैं तो क्या दिमाग में आता है अंधेरी सुरंग जिसमें आग निकल रही हो। सोचिए अगर हमें सच में नर्क नजर आए तो. तुर्कमेनिस्तान में एक गड्ढा जलता हुआ नजर आ रहा है। तुर्कमेनिस्तान की राजधानी श्गाबात से 260 किलोमीटर दूर काराकुम रेगिस्तान के दरवेज गांव में मौजूद इस गड्ढे में 1971 से आग लगी हुई है। इस जगह को दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस का भंडार कहा जाता था। जिस गड्ढे में आग जल रही है वो 229 फीट चौड़ा है और लगभग 65 फीट गहरा है। आज यह जगह मशहूर टूरिस्ट प्वाइंट बन चुका है। दूर-दूर से लोग 'नर्क के दरवाजे' के नाम से मशहूर इस जगह को देखने आते हैं और इसके साथ अपनी तस्वीरें क्लिक करते हैं।

दुनिया में एक जगह है, जिसे 'गेट्स ऑफ हेल' यानी 'नरक का दरवाजा' कहा जाता है.ये जगह पहले सोवियत संघ में शामिल रहे तुर्कमेनिस्तान के उत्तर में स्थित है.तुर्कमेनिस्तान का एक बड़ा हिस्सा रेगिस्तान है, जिसका नाम काराकुम है.काराकुम रेगिस्तान 35 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है. इसके उत्तर में एक बहुत गड्ढा है, जिसे 'नर्क का दरवाजा' कहा जाता है. कनाडाई एक्सप्लोरर जॉर्ज कोरोनिस ने कहा कि जब मैंने पहली बार इस जगह को देखा और यहां कदम रखा तो गर्म हवा सीधे मेरे चेहरे से टकराई.मुझे लगा मानो खुद शैतान हाथों में हथियार लेकर इस गड्ढे से निकला हो.रिपोर्ट के मुताबिक इस गड्ढे की चौड़ाई 69 मीटर और गहराई 30 मीटर है.कई दशकों से ये आग से भरा गड्ढा इसी तरह धधक रहा है जिसके पीछे का कारण है इससे निकलने वाली मीथेन गैस है.

वैज्ञानिकों द्वारा आग लगाने का दावा

जॉर्ज कोरोनिस नेशनल जियोग्राफिक चैनल की टीम के सदस्य थे जो 2013 में तुर्कमेनिस्तान के इस गड्ढे के पास पहुंची थी.टीम यह पता लगाने गई थी कि आखिर ये आग कब से जल रही है. इसके पीछे एक बेहद प्रचलित कहानी है, जिसके मुताबिक 1971 में सोवियत संघ के भूवैज्ञानिक इस रेगिस्तान में कच्चे तेल के भंडार की खोज कर रहे थे. वैज्ञानिक एक स्थान पर प्राकृतिक गैसों का भंडार मिला.खोज के दौरान जमीन नीचे धंस गई और तीन बड़े-बड़े गड्ढे बन गए.कहा जाता है कि वैज्ञानिकों को इन गड्ढों के निकलने वाली मीथेन के पर्यावरण में घुलने का डर था इसीलिए उन्होंने इनमें आग लगा दी ताकि कुछ ही हफ्तों में मीथेन खत्म हो जाए और आग बुझ जाए.हालांकि इस कहानी की पुष्टि करने के लिए किसी तरह के दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं.

नहीं उपलब्ध कोई जानकारी

जॉर्ज ने बताया कि 2013 तक स्थानीय लोगों को इस गड्ढे के बारे में नहीं पता था इसीलिए इस गड्ढे के बारे अधिक जानकारी जुटाना संभव नहीं है.उन्होंने कहा कि इसके बारे में किसी तरह की आधिकारिक रिपोर्ट और दस्तावेज नहीं मिले.हालांकि अखबारों में इस घटना का जिक्र था लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिली.उन्होंने कहा कि आग लगने के पीछे कई विवाद नहीं हैं.कुछ लोग कहते हैं आग जानबूझकर लगाई गई थी तो कुछ लोग इसे दुर्घटना मानते हैं.वहीं कुछ लोग इसके पीछे बिजली गिरने की घटना को जिम्मेदार बताते हैं.तुर्कमेनिस्तान की सरकार ने इस आग को बुझाने पर विचार किया था लेकिन ये आग देश के पर्यटन को बढ़ावा दे रही है.हर साल करीब छह हजार सैलानी इसे देखने आते हैं.

70 के दशक से धधक रही हैं लपटें

लोगों के मन में नरक के दरवाजे को लेकर कई सवाल हैं.दुनियाभर के असंख्य दरवाजों में नर्क का द्वार ही एकमात्र ऐसा है, जिसे किसी ने देखा नहीं है, लेकिन उसके लिए मन में उत्सुकता खूब है.लेकिन अगर हम आपसे कहें कि दुनिया में वास्तव में नरक का दरवाजा है तो क्या आप यकीन करेंगे? कहा जाता है कि रेगिस्तान के बने इस गड्ढा में एक गैस क्रेटर है, जिसमें से मीथेन गैस की वजह से आग निकल रही है.अपने इसी रहस्य के चलते यह जगह सैलानियों के लिए बड़ा आकर्षण है.

दूसरे विश्व युद्ध में बना था नरक का द्वार

तुर्कमेनिस्तान पहले सोवियत संघ का हिस्सा था.सत्तर के दशक की शुरुआत में यहां प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार का पता लगा था.तब रूस दूसरे विश्व युद्ध के बाद आई आर्थिक कमजोरी से जूझ रहा था.इसे दूर करने में गैस के भंडार से मदद मिल सकती थी.प्राकृतिक गैस निकालने की होड़ में साल 1971 में यहां बड़ा विस्फोट हो गया. इस विस्फोट से वह गड्ढा बना, जिसे आज डोर टू हेल कहते हैं.

गैस न फैले इसलिए लगाई आग

हादसे में मीथेन गैस के फैलाव को रोकने के लिए वैज्ञानिकों ने एक तरीका आजमाया.उन्होंने गड्ढे के सिरे पर आग लगा दी.वैज्ञानिकों का अनुमान था कि गैस के खत्म होते ही आग बुझ जाएगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं.आज पूरे 50 साल बीतने के बाद भी आग वैसे ही जल रही है.

काफी ऊंचाई तक दिखती है लपटें जिस गड्ढे में आग जल रही है, वह 229 फीट चौड़ा है और उसकी गहराई तकरीबन 65 फीट है.इससे जलने पर निकलने वाली मीथेन और सल्फर की बदबू काफी दूर तक फैली रहती है.यह आग इतनी भयानक है कि इसकी लपटें कई मीटर की ऊंचाई तक उठती रहती हैं.साथ ही गड्ढे के भीतर खौलती हुई मिट्टी भी दिखाई देती है.

एक ग्रह जिस पर चार बार होता है सूर्योदय!

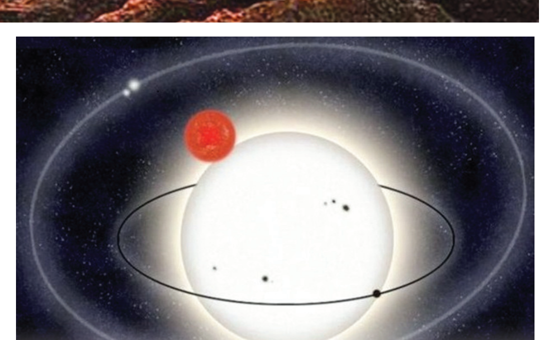

अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखने वाले दो शौकिया वैज्ञानिकों ने एक ऐसे ग्रह की खोज की है जिस पर चार सूर्य मौजूद है.इनमें से दो सूर्य ग्रह की कक्षा में मौजूद हैं और दो सूर्य इस ग्रह का चक्कर लगा रहे हैं.यह ग्रह पृथ्वी से 5000 प्रकाश वर्ष दूर है और माना जा रहा है कि आकार में पृथ्वी से छह गुना बड़ा है. अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चार सूर्य मौजूद होने के बावजूद इस ग्रह का गुरुत्वाकर्षण प्रभावित क्यों नहीं होता.

शौकिया वैज्ञानिकों ने 'प्लैनेटहंटर्स वेबसाइट' की मदद से इस ग्रह की खोज की.इसके बाद केक प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने इस खोज को आगे बढ़ाया.इस ग्रह को पीएच1 का नाम दिया है. ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से जुड़े क्रिस लिनटॉट के मुताबिक, ''इस ग्रह पर मौजूद सूर्य रुपी चार तारे इसके गुरुत्वाकर्षण को बेहद जटिल बनाते हैंइसके बाद भी यह ग्रह और इसके सूर्य अरनी कक्षा में चक्कर लगा रहे हैं.''

वैज्ञानिकों का कहना है यह खोज इस मायने में अपने आप में अनूठी है और वो इस जटिल प्रक्रिया को देखकर बेहद हैरान हैं. लिनटॉन के मुताबिक तारों और ग्रहों की खोज में लगे कंप्यूटर इस ग्रह के बारे कोई जानकारी नहीं दे पाए.यह इस बात का संकेत देता है कि ऐसे बहुत से और ग्रह भी मौजूद हो सकते हैं जिनकी खोज के लिए वैज्ञानिकों या शौकिया खोजकर्ताओं को आगे आना होगा.जिस वेबसाइट के जरिए इस ग्रह की खोज की गई है वो कई शोकिया वैज्ञानिकों के लिए ब्रह्मांड संबंधी अपनी जानकारियों और तारों की खोज के हुनर को आजमाने का जरिया है.

दो चोर

राजा कृष्णदेव राय हर महीने एक बार अपनी जेलों का मुआयना करने जाया करते थे। इस दौरान वे वहां कैदियों को दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लेते। यह क्रम लंबे समय से चला आ रहा था।

एक बार की बात है, राजा जेलों को देखने पहुंचे। उन्हें वहां देखकर दो कैदी उनसे अपनी सजा माफी की याचना करने लगे। अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने राजा से कहा, 'चोरी करना तो वेद की 64 कलाओं में से एक माना गया है। लेकिन अगर आप हमें माफ कर देते हैं तो हम इस काम को हमेशा के लिए छोड़ देंगे और जीवनयापन के लिए कोई दूसरा रास्ता अपनाएंगे।'

यह सुन राजा सोच में पड़ गए। उन्होंने चोरों से कहा, 'ठीक है। मैं तुम्हें रिहा कर दूंगा, पर पहले तुम्हें अपनी कला का प्रदर्शन मेरे सामने करना होगा। तुम दोनों को तेनालीराम के घर चोरी करनी होगी और वहां से वापस मेरे पास आना होगा। अगर तुम इस काम में सफल हो जाते हो तो तुम्हें तुरंत रिहा कर दिया जाएगा।'

राजा ने आगे कहा, 'पर हां, इस काम में तुम किसी को शारीरिक हानि नहीं पहुंचाओगे। यही मेरी शर्त है।' उस रात को उन दो चोरों को तेनालीराम के घर चोरी करने के लिए रिहा कर दिया गया।

तेनालीराम के घर एक खूबसूरत बगीचा था। दोनों ने पहले उस बगीचे को पार किया और फिर वे घर की दीवारों तक पहुंच गए। चोरों ने आसपास देखा, पर वहां कोई नहीं दिखा। उन्हें लगा कि उनका रास्ता साफ है। दोनों रात गहरी होने का इंतजार करने लगे। पर तेनालीराम सबसे अलग थे। उन्होंने उन्हें घर के पीछे छिपते देख लिया था। उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाई, 'सुनो, जरा इधर आना। पूरे शहर में घबराहट है, दो चोर जेल तोड़कर फरार हो गए हैं। हमें भी सावधान रहना चाहिए। तुम अपने सभी गहनों और नकदी को जल्दी किसी सुरक्षित जगह पर रख दो। या ऐसा करो कि सभी चीजों को एक गठरी में बांधो और यहां मेरे पास ले आओ।' जल्दी ही तेनालीराम की पत्नी सारे सामान की गठरी ले आई। उन्होंने वो गठरी पत्नी से ली और उसे घर के पीछे बने कुएं में डाल दिया। चूंकि गठरी काफी भारी थी, इसलिए पानी में उसके डूबने की आवाज काफी देर तक आती रही। जैसे ही दोनों चोरों ने ये देखा, उनकी आंखों में चमक आ गई। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि तेनालीराम के घर चोरी करना इतना आसान होगा।

थोड़ी देर बाद तेनालीराम अपनी पत्नी के साथ घर के भीतर चले गए। चोर तो इसी बात का इंतजार कर रहे थे। कुछ देर बाद जब उन्हें लगा कि दोनों सो गए हैं, चोर धीरे-धीरे झाड़ियों से बाहर आ गए।

चोर इतने दबे पांव चल रहे थे कि बिल्कुल आवाज न हो। कुएं के पास पहुंचकर दोनों ने उसमें झांका, पर अंधेरे की वजह से ज्यादा कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। पहले चोर ने दूसरे से कहा, 'तुम कुएं के भीतर जाकर देखो कि यह कितना अधिक गहरा है।' दूसरा चोर कुएं में उतरा। उसने बाहर आकर कहा, 'भाई, कुआं तो काफी अधिक गहरा है। उसमें काफी पानी भी है। गहनों की गठरी को उसमें से निकालना काफी मुश्किल है। यह तभी हो सकता है, जब हम कुछ पानी कुएं से बाहर निकाल दें।'

थोड़ी देर सोचने के बाद दोनों ने यह फैसला किया कि वे कुएं से पानी निकालेंगे। दोनों एक के बाद एक

बाल्टी से पानी निकालने लगे और पानी को बगीचे में ही डालने लगे। कुछ देर बाद वहां पानी काफी अधिक मात्रा में जमा हो गया। पानी पौधों की ओर भी बढ़ने लगा। तेनालीराम खिड़की से यह सब छिपकर देख रहे थे। उन्होंने एक शॉल ओढ़ी और चुपके से बाहर बगीचे में आ गए। उन्होंने खुरपी की सहायता से पानी को दूसरे पौधों व पेड़ों तक पहुंचाना शुरू कर दिया। चूंकि वहां काफी अंधेरा था और दोनों चोर पानी निकालने में व्यस्त थे, इसलिए वे तेनालीराम को ये सब करते देख नहीं पाए।

कुएं से 3-4 घंटे पानी निकालने के बाद दोनों चोर बुरी तरह से थक गए। इसके बाद उनमें से एक फिर से कुएं के भीतर गया और बाहर आकर उसने कहा, 'तुम नीचे आ जाओ। ये गठरी काफी भारी है। मैं इसे अकेले नहीं उठा पाऊंगा।' यह सुनकर दूसरा चोर भी कुएं के भीतर चला गया। बड़ी मुश्किल से दोनों ने गठरी उठाई और उसे बाहर लेकर आए। अब तो दोनों की खुशी का ठिकाना ही नहीं था। पहले चोर ने दूसरे से कहा, 'जल्दी से इस गठरी को खोल देते हैं और देखते हैं कि अंदर कितना माल भरा है।'

पर ये क्या, जैसे ही दूसरा चोर गठरी खोलता है तो दोनों की आंखें बड़ी हो जाती हैं। उसमें गहने नहीं, बल्कि पत्थर भरे दिखाई देते हैं। वे समझ नहीं पाते कि आखिर क्यों तेनालीराम इन पत्थरों को छिपाना चाहता था। उन दोनों को आश्चर्यचकित देख तेनालीराम ने उन्हें आवाज लगाई, 'क्या तुम दोनों कुएं से कुछ और बाल्टी पानी निकाल सकते हो? इस बगीचे में केवल दो ही पौधे ऐसे बचे हैं, जिन्हें पानी नहीं मिल सका है। इसलिए कृपया जल्दी से पानी निकाल दो।'

तेनालीराम की आवाज सुनकर दोनों हैरान हो गए। एक ने दूसरे से कहा, 'भागो, ये तो तेनालीराम है।' दोनों सिर पर पांव रख कर भाग खड़े हुए। राजा के पास पहुंचकर दोनों ने अपनी कहानी सुनाई और चोरी को फिर कभी 'कला' न कहने की कसम खाकर खुद ही सजा काटने जेल में चले गए।

गाजियाबाद जिले में 100 फर्जी कंपनियां खोलकर 250 करोड़ का घोटाला

सवा तीन साल बाद पुलिस के हाथ लगे बैंक के एक डीडी से मास्टरमाइंड बेनकाब हुआ

गाजियाबाद । लक्ष्य तंवर गैंग द्वारा 400 करोड़ के लोन घोटाले के बाद गाजियाबाद जिले में ढाई सौ करोड़ का एक और फर्जीवाड़ा सामने आया है। इस फर्जीवाड़े को कथित तौर पर एक अकेले व्यक्ति ने सौ से अधिक कंपनियां खोलकर अंजाम दिया। हैरत की बात यह है कि सभी कंपनियां फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खोली। सवा तीन साल बाद पुलिस के हाथ लगे बैंक के एक डीडी से मास्टरमाइंड बेनकाब हो गया। पुलिस की मानें तो आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। अक्टूबर 2018 में वाणिज्य कर विभाग के तत्कालीन असिस्टेंट कमिश्नर सुशांत मिश्रा ने तीन कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इनमें सर्वश्री ट्रेडिंग कंपनी, सर्वश्री टीएम इंटरप्राइजेज और सर्वश्री आरटी स्टील एंड आयरन कंपनी शामिल थीं। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि फर्जीवाड़ा करते हुए इन कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराया गया है। साथ ही वाणिज्य कर विभाग व बैंकों को राजस्व की हानि पहुंचाई गई है। केस दर्ज कर कविनगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, फर्जीवाड़े की परतें खुलती चली गईं। सिर्फ तीन कंपनियां ही नहीं, बल्कि सौ से अधिक ऐसी कंपनियां प्रकाश में आईं, जो फर्जी दस्तावेजों पर चल रही थीं।

पुलिस का कहना है कि जिन लोगों के दस्तावेज लगे थे, बाद में उनसे पूछताछ की गई तो नई बात सामने आई। उन्होंने किसी कंपनी के लिए दस्तावेज न देने की बात कही। पुलिस ने दोबारा से कंपनियों की कुंडली खंगाली। करीब एक साल तक पुलिस ने एक-एक कंपनी को ट्रेस किया और वाणिज्य कर विभाग से उसकी जानकारी हासिल की। जांच में सौ से अधिक कंपनियां फर्जी दस्तावेजों पर मिलीं। पुलिस के मुताबिक, कंपनी धारक का नाम, कंपनी का पता और खाता सब फर्जी निकले। इससे फर्जीवाड़े के मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी करना और मुश्किल हो गया। पुलिस ने वाणिज्य कर विभाग से दस्तावेज निकलवाए। जिन लोगों के दस्तावेज इस्तेमाल किए गए, उन लोगों को पुलिस ने जेल भी भेज दिया, लेकिन सरगना का पता नहीं लग सका। इसकी बड़ी वजह यह थी कि सरगना ने अपने खिलाफ कोई दस्तावेज या सबूत नहीं छोड़ा, लेकिन पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो फर्जीवाड़े की परतें खुलती चली गई। इसमें पता चला कि फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों का घपला करने वाला शख्स कोई और है। पुलिस का कहना है कि सवा तीन साल बाद एक बैंक ड्राफ्ट से मास्टरमाइंड का सुराग मिला। मास्टरमाइंड ने दिल्ली के एक व्यक्ति की इमारत किराए पर ली थी। यह पता मास्टरमाइंड की एक कंपनी का भी था। इस इमारत के बिल का भुगतान उसने उस बैंक से कराया, जिसमें उसका खाता था। इस डीडी के माध्यम से पुलिस को मास्टरमाइंड का सुराग लगा। पुलिस ने उसके द्वारा किए गए फर्जीवाड़े का अनुमान लगाया तो वह करीब ढाई सौ करोड़ का निकला। फर्जी दस्तावेजों से कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपए का फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। इसमें लोगों के दस्तावेजों का दुरुपयोग किया गया। मास्टरमाइंड के खिलाफ मजबूत साक्ष्य इकट्ठा किए जा रहे हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

कोविन पोर्टल पर अब एक मोबाइल नंबर से 6 लोग कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

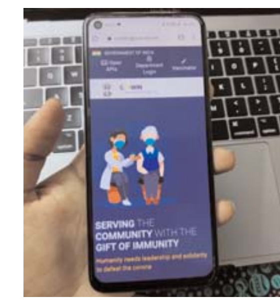

नई दिल्ली । कोविन पोर्टल के लिए नया अपडेट आया है। अब ये प्लेटफॉर्म एक मोबाइल नंबर से 6 लोगों तक को जोड़ने की परमिशन देता है। इस प्लेटफॉर्म पर पहले सिंगल मोबाइल नंबर से 4 लोग ही रजिस्ट्रेशन करवा सकते थे। नया फीचर सेल्फ रजिस्ट्रेशन पोर्टल कोविन पर जोड़ दिया गया है। इसे ऐसे समझें अगर आप अपने फोन नंबर से चार लोगों को रजिस्टर कर चुके हैं तो आप पहले कोई नया मेंबर नहीं जोड़ सकते थे लेकिन अब इस अपडेट के बाद आप दो और मेंबर को जोड़ सकते हैं। सरकार ने दूसरे चेंज में एक और बदलाव किया है । अब यूजर्स अपने वैक्सीनेशन स्टेटस को रिवोक कर सकते हैं। इस यूटिलिटी फीचर से यूजर कोविन अकाउंट में करंट वैक्सीनेशन स्टेटस को रिवोक कर सकते हैं। आप इसे फुली वैक्सीनेटेड से पार्शियली वैक्सीनेटेड या अनवैक्सीनेटेड स्टेटस में कर सकते हैं। इसे पार्शियली वैक्सीनेटेड से अनवैक्सीनेटेड स्टेटस में भी चेंज किया जा सकता है। वैक्सीनेशन स्टेटस को बेनिफिशियरी सही कर सकते हैं। ये सुविधा इसलिए दी गई ताकि किसी केस में वैक्सीनेटर द्वारा किए गए वैक्सीनेशन डेटा एंट्री एरर को ठीक किया जा सके। ऑनलाइन रिक्वेस्ट सब्मिट करने के बाद चेंज होने में 3 से 7 दिन तक का टाइम लग सकता है। इसके लिए आप ऑनलाइन रिक्वेस्ट ऑप्शन से सकते हैं. रिक्वेस्ट सब्मिट करने के बाद जब आपका वैक्सीनेशन स्टेटस चेंज हो जाएगा फिर आप बचे हुए वैक्सीन डोज ले सकते हैं। इसके लिए आपको पास के वैक्सीनेशन के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुक करना होगा या ऑन द स्पॉट मिलने वाली वैक्सीनेशन सेंटर पर जाना होगा।

बिहार में राष्ट्रपति शासन की चिराग पासवान ने की मांग

बिहार में जहरीली शराब से हुई मौतों का मामला

पटना । बिहार में शराबबंदी कानून और जहरीली शराब से होने वाली मौतों को लेकर सियासत गरमाई हुई है। विपक्षी दलों के अलावा बीजेपी के कई नेता भी इस मामले पर सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साध चुके हैं। वहीं अब इस मामले पर लोजपा (राम विलास) अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा है कि नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को रोकने के लिए हमने राज्यपाल को बिहार में राष्टपति शासन की सिफारिश करने के लिए लिखा है। गौरतलब है कि हाल ही में बिहार के सारण जिले में संदिग्ध अवस्था में पांच लोग मृत पाए गए1 ऐसी आशंका जताई जा रही है कि यह मामला नकली शराब का हो सकता है। मृतकों में कुछ के परिवारों ने मौत के लिए शराब को दोषी ठहराया है। इस घटना के बाद से चिराग पासवान लगातार बिहार सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। चिराग ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह जान-बूझकर पेगासस, जाति जनगणना, जनसंख्या नियंत्रण बिल और विशेष दर्जा जैसे मुद्दे उठाते हैं, जिस पर भाजपा का रुख पहले से ही स्पष्ट है। वह शायद विपक्ष में शामिल होकर पीएम पद के दावेदार बनना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल के कुछ दिनों में बिहार में कथित तौर जहरीली शराब के सेवन से कई जानें गई हैं।

भारत में पिछले साल 2,250 से ज्यादा स्टार्टअप शुरू हुए : रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश में वर्ष 2021 में 2,250 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए जो इससे एक वर्ष पहले के मुकाबले 600 अधिक है। नैसकॉम और जिनोव की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप परिवेश- सफलता का वर्ष शीर्षक से जारी अध्ययन में कहा गया कि निवेशकों का भरोसा बढ़ने के साथ स्टार्टअप गहन प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहे हैं और कौशलयुक्त लोगों को खोज रहे हैं। इसके साथ ही भारत के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के स्टार्टअप का आधार निरंतर बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में स्टार्टअप ने 24.1 अरब डॉलर जुटाए जो कोविड से पहले के स्तर के मुकाबले दोगुना है। 2020 की तुलना में उच्च मूल्य वाले सौदे तीन गुना बढ़ गए जो निवेशकों के भरोसे को दिखाता है और बताता है कि सक्रिय एंजल निवेशक जोखिम लेने को तैयार हैं। स्टार्टअप में सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अमेरिका से आ रहा है, बाकी की दुनिया की हिस्सेदारी भी इसमें बढ़ रही है। करीब 50 फीसदी सौदों में कम से कम एक निवेशक भारतीय मूल का है। नैसकॉम की अध्यक्ष देबजानी घोष ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप परिवेश का 2021 का प्रदर्शन सबूत है विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप के जुझारूपन और समर्पण का।

चीन में मिले 3000 साल पुराने मकबरे

न्यूज़ ब्रीफ

पणजी में अब बेईमानी और चरित्र के बीच लड़ाई

उत्पल पर्रिकर के निर्दलीय लड़ने पर बोले संजय राउत

पणजी । दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर ने गोवा में निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वे पणजी निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में ताल ठोकेंगे। शिवसेना सांसद संजय राउत ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब पणजी में लड़ाई बेईमानी और चरित्र के बीच होगी। बता दें कि भाजपा से टिकट न मिलने के बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि उत्पल आम आमदी पार्टी में जा सकते हैं। हालांकि उत्पल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया। गोवा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गुरुवार को 34 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें उत्पल का नाम नहीं था।

अमित शाह करेंगे उप्र के कैराना के पलायन पीड़ितों से बात

नई दिल्ली । विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद पहली बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। बीते रोज हिंदू के पलायन की बाद चर्चा में आए कैराना में घर-घर जाकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के लिए प्रचार करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, शाह अपने इस दौरे पर शामली और बागपत में पार्टी कार्यकर्ताओं व क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की रणनीति में अहम भमिका निभा रहे शाह बाद में मेरठ भी जाएंगे।

(कोरबा) सांसद से मिलकर भू-विस्थापितो ने रोजगार की समस्याओं से कराया अवगत

आम लोगों को राहत देने के मूड में सरकार बजट से करदाताओं के लिए और राहत की आस

नई दिल्ली । देश में आम बजट की तैयारियों के साथ ही करदाताओं के मन में टैक्स घटने की उम्मीद भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में विशेषज्ञों को लगता है कि सरकार कोरोना महामारी के दौर में आम लोगों को तमाम तरह की राहत देने के मूड में है। दलील दी जा रही है कि अगर सरकार आम लोगों के हाथ में टैक्स छूट के तौर पर रकम देगी तो वो खर्च बढ़ाएंगे, जिससे अर्थव्यवस्था में रफ्तार देखने को मिल सकती है। टैक्स मामलों के विशेषज्ञ देवेंद्र कुमार मिश्रा ने कोरोना महामारी के बाद इंश्योरेंस प्रीमियम में बढ़त देखी गई है। ऐसे में इस दायरे में मिलने वाली आयकर छूट की सीमा दोगुनी किए जाने की उम्मीद है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ये बढ़ाकर 1 लाख और बाकी लोगों के लिए 50 हजार रुपए तक हो सकती है। वहीं, होम लोग पर लगने वाले ब्याज पर मिलने वाली छूट का दायरा 2 लाख से बढ़ाकर 3 लाख रुपए तक किया जा सकता है। 80सी के विकल्प के तौर पर नेशनल पेंशन स्कीम में 50 हजार रुपए के निवेश के दायरे में लंबे समय से बढ़त नहीं हुई है। ऐसे में सरकार से उम्मीद है कि इसमें 1 लाख रुपए तक के निवेश की इजाजत दी जा सकती है। ताकि टैक्स छूट के साथ-साथ लोगों को रिटायरमेंट का अच्छा खासा फंड इकट्ठा हो सकेगा। इसके अलावा कारोबारी साल में फिक्स्ड डिपॉजिट में अब तक 5 साल के निवेश पर ही टैक्स छूट मिलती है लेकिन इस बजट में सरकार से उम्मीद लगाई जा रही है कि अब 3 साल की एफडी से भी टैक्स छूट का फायदा दिया जाएगा। इसकी वजह से लोगों को टैक्स का फायदा लेने के लिए लंबे समय तक अपना पैसा ब्लॉक नहीं करना पड़ेगा। कुछ विशेषज्ञ ये भी अनुमान जता रहे हैं कि क्रिप्टोकरंसी पर टैक्स लगाने से जुड़े नए नियम भी सरकार बजट में पेश कर सकती है। अभी तक इसमें मौजूदा टैक्स स्लैब में कमाई के आधार पर टैक्स वसूला जाता है। लेकिन यहां हो रहे बड़े निवेश को देखते हुए सरकार इस मद से कमाई का मौका ढूढ़ सकती है। इसके अलावा केंद्र सरकार इस बजट में कम टैक्स दरों वाली नई टैक्स व्यवस्था को और आकर्षक बनाने के लिए बदलाव कर सकती है। इसमें कुछ शर्तों के साथ होमलोन के ब्याज पर छूट, इंश्योरेंस और स्टैंडर्ड डिडक्शन जैसे चुनिंदा फायदे दे सकती है। साथ ही कारोबारी आमदनी वाले लोगों को सरकार की तरफ से हर साल टैक्स व्यवस्था चुनने की छूट भी दी जा सकती है। नई टैक्स व्यवस्था को मिल रहे बेहद ठंडे रिस्पॉन्स को देखते हुए सरकार ये कदम उठा सकती है। आंकड़ों के मुताबिक, नई व्यवस्था के तहत रिटर्न दाखिल करने वालों की सख्या 5 फीसदी से भी कम है।

2017 के मुकाबले बीजेपी को घाटा सपा को जबर्दस्त फायदा

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की योगी सरकार आएगी या अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी इन सवालों का सही जवाब 10 मार्च को ही मिलेगा। लेकिन उससे पहले अलग-अलग चैनल-एजेंसियों ने उत्तर प्रदेश की सियासत को लेकर सर्वे किया है। उन सभी ओपिनियन पोल्स में यूपी में भाजपा के जीत की भविष्यवाणी की गई है। इसके साथ ही यह भी अनुमान लगाया गया है कि चुनाव नतीजों में भाजपा की सीटें 2017 में हुए विधानसभा चुनाव के मुकाबले घट सकती है। बता दें कि प्रदेश में 403 विधानसभा सीटों के जीत के कई कारक हैं, उनमें से प्रमुख हैं जातिगत समीकरण। के %पोल ऑफ पोल% की मानें तो सत्तारूढ़ भगवा पार्टी एक बार फिर बहुमत के साथ जीतेगी। लेकिन साथ ही समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को राज्य में सबसे बड़ा विपक्ष बनने की भविष्यवाणी की गई है। इसमें यह भी बताया जा रहा है कि 2017 में जीती हुई कई सीटों में से लगभग 60 से अधिक सीटों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भाजपा खो देगी। प्रदेश में चार प्रमुख दावेदारों- बीजेपी, एसपी गठबंधन के साथ रालोद, बसपा और कांग्रेस के प्रदर्शन पर राय दर्ज की है। पार्टियों के चेहरों में क्रमश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती और प्रियंका गांधी वाड्रा हैं। किसी भी पार्टी के बहुमत हासिल करने का आधा रास्ता 202 है। बहरहाल, जनमत सर्वेक्षणों ने भविष्यवाणी की कि सत्तारूढ़ भाजपा का प्रदर्शन काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि वह विधानसभा चुनावों में जातिगत समीकरणों को कैसे संतुलित करती है। ऐसा लगता है कि व्यापक हिंदुत्व छत्र के तहत जातिगत दोष रेखाओं को समायोजित करने के भाजपा के प्रयास खतरे में हैं। मालूम हो कि अब तक तीन मंत्रियों समेत 11 ओबीसी विधायक भाजपा छोड़ चुके हैं। इन बागी नेताओं में से अधिकांश सपा-रालोद गठबंधन में शामिल हो गए हैं, उनकी नाराजगी पार्टी के शीर्ष नेताओं की तुलना में आदित्यनाथ पर अधिक है। 2017 विधानसभा चुनाव में भाजपा 312 सीटों के साथ सत्ता में आई थी, जबकि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा 47 में कामयाब रही थी। मायावती की बसपा को 19 सीटों के साथ संघर्ष करना पड़ा था और कांग्रेस को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में सिर्फ सात सीटों के साथ चौथे स्थान पर ले जाया गया था। यूपी की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 14 मई 2022 को खत्म हो रहा है।

एलओसी पर बॉर्डर ग्रिड बनेगा पाकिस्तानी घुसपैठियों के लिए काल

न्यूज ब्रीफ

हरभजन कोरोना संक्रमित हुए, लीजेंड्स लीग नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। इस कारण हरभजन मस्कट में जारी लीजेंड्स लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे चरण में भाग नहीं ले पायेंगे। भज्जी के नाम से लोकप्रिय यह स्पिनर अभी अपने घर पर ही पृथकवास में है। पिछले माह ही खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले हरभजन में कोविड-19 के हल्के लक्षण हैं। हरभजन ने ट्वीट किया, ''कोविड के लिये मेरा परीक्षण पॉजिटिव आया है और मुझे हल्के लक्षण हैं। मैं घर पर ही पृथकवास पर हूं और हर तरह की जरूरी सावधानी बरत रहा हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''इसलिए मैं मेरे संपर्क में आने वाले लोगों से जल्द से जल्द अपना परीक्षण करवाने का अनुरोध करता हूं। कृपया सुरक्षित रहें और अपना ध्यान रखें।''

गर्मियों तक वापसी करना चाहते है फेडरर

लंदन । स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर सर्जरी के बाद से ही खेल से दूर हैं। फेडरर ने साल 2020 में केवल एक टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन खेला, जहां उन्हें सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। मार्च से विंबलडन तक वह केवल 13 आधिकारिक मैचों में ही खेलते दिखे थे। वहीं विंबलडन में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद फेडरर ने कहा थ कि उन्हें एक बार फिर अपने घुटने की सर्जरी करानी होगी। रोजर ने कहा कि वह गर्मियों में लौटना चाहते हैं, ऐसे में उनका विंबलडन में खेलना तय नहीं है। वहीं दिग्गज टेनिस खिलाड़ी बोरिस बेकर ने कहा है वह फेडरर को दोबारा टेनिस कोर्ट पर देखना चाहते हैं। बेकर ने एक अकादमी के उद्घाटन मौके पर कहा कि मैं चाहूंगा कि फेडरर फिर से टेनिस खेलें। मैं भी उसे जीतते हुए देखना चाहता हूं पर यह भी सही है कि आप जितना अधिक खेल से दूर रहेंगे, वापसी करना उतना ही कठिन होगा। वह एक हफ्ते पहले उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी रग्बी खिलाड़ी सिया से मिले थे।

जापान की फुटबॉलर इवाबुची कोरोना संक्रमित पायी गयीं

पुणे । जापान की फुटबॉलर माना इवाबुची एएफसी कोरोना संक्रमित पाये जाने के कारण महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों से बाहर हो गयीं हैं। 28 साल की फारवर्ड ब्रिटेन से रवाना होने से पहले नेगेटिव पाई गई थी पर भारत पहुंचने पर उनका नतीजा पॉजिटिव आया गया। जापान फुटबॉल संघ के अनुसार इवाबुची टीम की किसी अन्य सदस्य के करीबी संपर्क में नहीं थी। वह अकेले ही ब्रिटेन से भारत पहुंची थी। जापान फुटबॉल संघ के अनुसार इवाबुची में कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं.

आईपीएल के 2022 सत्र के लिए लखनऊ ने राहुल, अहमदाबाद ने पांड्या को बनाया कप्तान

मुम्बई । आईपीएल के 2022 सत्र के लिए शामिल दो नई टीमों लखनऊ और अहमदाबाद ने अपने-अपने कप्तानों की घोषणा कर दी है। आईपीएल के इस सत्र में आठ की जगह दस टीमें भाग ले रही हैं। लखनऊ ने जहां लोकेश राहुल को कप्तान बनाया है वहीं अहमदाबाद ने हार्दिक पांड्या को टीम की कमाना सौंपी है। आठ टीमों को अपने चार चार खिलाड़ी रिटेन (बरकरार रखने) की इजाजत दी गई थी जबकि दोनों नई टीमों के लिए तीन तीन खिलाड़ियों से करार की अनुमति थी। लखनऊ की टीम ने राहुल को कप्तान बनाने के अलावा मार्कस स्टॉइनिस और लेग स्पिनररवि बिश्नोई को शामिल किया है। राहुल को 17 करोड़ में खरीदा गया जबकि मार्कस स्टॉइनिसक को 9.2 करोड़ और रवि बिश्नोई पर 4 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। लखनऊ टीम के नामों की घोषणा स्वयं टीम मालिक संजीव गोयनका की। उन्होंने इस दौरान राहुल की काफी तारीफ भी की। कुल 30.2 करोड़ रुपये इन तीन खिलाड़ियों के लिए इन टीम ने लगाये हैं। वहीं अहमदाबाद ने हार्दिक के अलावा राशिद खान और शुभमन गिल को शामिल किया है। इसके लिए टीम ने कुल 38 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। हार्दिक पर 15 करोड़ खर्च किये गये। राशिद को भी इतनी ही रकम देकर जोड़ा गया जबकि शुभमन के लिए आठ करोड़ खर्च किये गये हैं।

आईपीएल के अगले सत्र के लिए मेगा नीलामी अगले माह 12 और 13 फरवरी को होगी। अभी यह तय नहीं हुआ है कि नीलामी बेंगलूर में होगी या कहीं और आयोजित की जाएगी।

बाउचर की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

जोहानसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी कोच मार्क बाउचर की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सामजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण (एसजेएन) सुनवाई के दौरान बदसलूकी के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक सुनवाई होगी। इसकी अध्यक्षता वरिष्ठ वकील टेरी मोटाउ करेंगे हालांकि सुनवाई के दौरान भी बाउचर टीम के कोच बने रहेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा, 26 जनवरी 2022 को पहली सुनवाई होगी और इसके बाद ही आगे की तारीखें तय होगीं। एसजेएन सुनवाई के बाद ऐसा करना जरुरी था, क्योंकि सुनवाई के दौरान बाउचर सहित कईज़िम्मेदार लोगों पर भेदभाव और नस्लवाद के आरोप लगे थे।

टी20 विश्व कप 2022 में फिर होगा भारत-पाकिस्तान में महामुकाबला

आईसीसी ने जारी किया कार्यक्रम

दुबई । इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 विश्व कप के साल 2022 सत्र के कार्यक्रम को घोषित किया है। यह टूर्नामेंट 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच होगा जिसमें 16 टीमें भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलिया के सात शहरों में खेला जाएगा। इसमें भाग लेने वाली 12 टीमों का फैसला पहले ही हो गया है। वहीं चार अन्य टीमों का चयन ग्लोबल क्वालिफाइंग के द्वारा किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर प्रशंसकों को परंपरागत प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान के बीच महा मुकाबला देखने को मिलेगा।

इसकी %सुपर 12% टीमों में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान को ग्रुप 1 में रखा गया है जबकि भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को ग्रुप 2 में शामिल किया गया हैं। %सुपर 12% सिडनी में शुरू होगा जिसमें यूएई में 2021 टी20 विश्व कप के दो फाइनलिस्ट के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। इस प्रकार इसमें न्यूजीलैंड का मुकाबला मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से होगा। इसके एक दिन बाद भारत और पाकिस्तान के बीच टक्कर होगी।

पाकिस्तान और भारत और ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड मैचों के अलावा अन्य मुकाबले सुपर 12 चरण में संभावित प्रमुख खेलों के रूप में सामने आएंगे। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें 1 नवंबर को ब्रिस्बेन के गाबा में आमने सामने होंगी, यह दोनों टीमों का ग्रुप मैच है। साथ ही सुपर 12 चरण में पाकिस्तान का सामना एडिलेड में बांग्लादेश से होगा। यह टूर्नामेंट 6 दिवसीय ग्रुप चरण के साथ शुरू होगा। पहला दौर सुपर 12 के लिए क्वालीफाई करने के लिए अंतिम चार टीमों का निर्धारण करने के लिए होगा। श्रीलंका और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में दो और क्वालीफायर शामिल होंगे, जिसमें वेस्ट इंडीज और स्कॉटलैंड ग्रुप बी में ग्लोबल क्वालीफायर से दो अतिरिक्त टीमों के साथ शामिल होंगे।

पहले दौर में होबार्ट के बेलेरिव ओवल और जिलॉन्ग के कार्डिनिया पार्क में वैकल्पिक दिनों में आयोजित होने वाले दैनिक डबल-हेडर (एक दिन में दो मैच) शामिल होंगे जिसके बाद सभी ग्रुप ए और ग्रुप बी मैच तस्मानियाई शहर में आयोजित किए जाएंगे। सभी मुकाबले 16 से 21 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। ग्रुप ए के विजेता और ग्रुप बी के उपविजेता सुपर 12 चरण में ग्रुप 1 में शामिल होंगे, ग्रुप बी के विजेता और ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप 2 में प्रवेश करेगी। एससीजी पहले सेमीफाइनल की मेजबानी 9 नवंबर को करेगा जबकि दूसरा सेमीफाइनल अगले दिन एडिलेड ओवल में होगा। फाइनल एमसीजी पर 100,024 दर्शकों की क्षमता के सामने खेला जाना है। यह आयोजन 7 जगहों पर होगा। जिलॉन्ग में कार्दिनिया पार्क छह मैचों की मेजबानी करेगा, विशेष रूप से शुरुआती सप्ताह के पहले दौर में जबकि होबार्ट में बेलेरिव ओवल में कुल 9 मैच, पहले दौर में छह और सुपर 12 चरण के शुरुआती तीन दिनों के दौरान तीन और मैच होंगे।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से वापसी के लिए तैयार हैं हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड श्रीलंका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 मैचों की घरेलू सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। ब्रिस्बेन में एशेज के पहले मैच के दौरान आये खिंचाव के बाद से ही हेजलवुड ने कोई और मैच नहीं खेला है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से वापसी करने के लिए तैयार थे पर देश के बाहर से आने वाले लोगों के लिए न्यूजीलैंड में कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण यह सीरीज स्थगित हो गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक टीम के मुकाबले टीवी पर देखना निराशाजनक रहा है,पर हमारे युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस 31 वर्षीय ने कहा कि अपने देश के लिए जीत में एक भूमिका निभाने की उम्मीद है और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में खेलने को लेकर भी उत्साहित है हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह इन दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मांगों को देखते हुए अपने देश के लिए हर मुकाबला नहीं खेल सकते क्योंकि फिटनेस पर ध्यान देना भी जरुरी है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत में एक भूमिका निभाऊंगा और आईपीएल में यहां और वहां एक खेल प्राप्त करूंगा, लेकिन लगातार खेलों के लिए उस अवसर से बहुत फर्क पड़ता है। उन्होंने कहा कि आप प्रत्येक खेल में बहुत कुछ सीखते हैं, और प्रत्येक मैच थोड़ा अलग होता हैं। जो मैंने सोचा था कि मैं उस प्रारूप में कर सकता था वह निश्चित रूप से उससे अधिक था, लेकिन मैं चुपचाप अपनी भूमिका निभाने के लिए आश्वस्त था।

बायो बबल की परेशानी के कारण विराट ने छोड़ी कप्तानी : पीटरसन

मस्कट। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का अनुमान है कि भारतीय टी के टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने बायो बबल (जैव जैव सुरक्षित वातावरण) के कारण आ रही परेशानी के कारण ही कप्तानी छोड़ी होगी। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की हार के तत्काल बाद कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले उन्होंने विश्व कप के बाद ही टी20 टीम की कप्तानी भी छोड़ दी थी जबकि उन्हें एकदिवसीय टीम के कप्तान पद से हटा दिया गया था। इस दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ भी उनके संबंध अच्छे नहीं रहे। पीटरसन ने कहा, 'जो लोग खिलाड़ियों की आलोचना करते हैं, उन्हें नहीं पता है कि बायो बबल में खेलना कितना कठिन है।% उन्होंने कहा, 'इसलिए किसी के प्रति कठोर रवैया अपनाना, आलोचना करना सही नहीं है। कोहली को बेहतर प्रदर्शन के लिए दर्शकों की जरूरत है।

पुजारा और रहाणे को शायद ही मिले ग्रुप ए अनुबंध

मुम्बई (ईएमएस)। खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) आगामी सत्र के लिये शायद ही ग्रुप ए अनुबंध दे। बीसीसीआई आगामी दिनों में अनुबंधित खिलाड़ियों की नयी सूची पर फैसला करेगा इसमें रहाणे ओर पुजारा के अलावा चोटिल तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और हार्दिक पंड्या के ग्रुप ए अनुबंध की भी समीक्षा होना तय है। इन्हें भी ग्रुप ए से किसी दूसरे ग्रुप में भेजा जाएगा। वहीं लोकेश राहुल और ऋषभ पंत के अनुबंध को अपग्रेड करके उन्हें रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह के साथ एलीट 'ए प्लस% कैटेगरी में शामिल किया जा सकता है। राहुल और ऋषभ का प्रदर्शन अच्छा रहा है। बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध के चार वर्ग हैं- ए प्लस, ए, बी और सी - हैं जिसमें सालाना रिटेनरशिप क्रमश- सात करोड़ रूपए, पांच करोड़ रूपए, तीन करोड़ रूपए और एक करोड़ रूपए है। सामान्य तौर पर तीन अधिकारी, पांच चयनकर्ता और राष्ट्रीय मुख्य कोच 'रिटेनरशिप% पर फैसला करते हैं। हालांकि अंतिम सूची में शामिल 28 नामों में ज्यादा बड़ा बदलाव नहीं होगा लेकिन पिछले साल बनाए गए मौजूदा ग्रुप के संयोजन के बारे में कुछ गंभीर चर्चा हो सकती है। सभी प्रारूपों के तीन महत्वपूर्ण खिलाड़ी रोहित, कोहली और बुमराह बिना किसी संदेह के 'ए प्लस% कैटेगरी में बरकरार रहेंगे। वहीं पिछले सत्र के ग्रुप बी खिलाड़ियों में केवल शारदुल ठाकुर ही टेस्ट मैचों में कुछ प्रभावी प्रदर्शन दिखा सके हैं, तो वे ग्रुप ए में प्रोमोशन की उम्मीद कर सकते हैं।मौजूदा ग्रुप सी में मोहम्मद सिराज ने काफी सुधार दिखाया है जबकि शुभमन गिल भी हनुमा विहारी के साथ अपग्रेड की उम्मीद लगाए होंगे। नए खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर और हर्षल पटेल भी अपना पहला कट हासिल कर सकते हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

सोने की कीमत फिर होगी 52,000 के पार

नई दिल्ली । कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के चलते निवेशक सुरक्षित निवेश का विकल्प तलाश कर रहे हैं. शेयर बाजार में जारी गिरावट इस ओर इशारा भी करती है। ऐसे में सोने में निवेश को लेकर निवशकों के रूझान में बदलाव देखा गया है और बीते कुछ दिनों से सोने-चांदी के भाव में तेजड़िया रुख देखा जा रहा है। सोने में इस तेजी के रुख को देखते हुए निवेशकों के बीच इसका भाव तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में शादियों का सीजन शुरू होने से भी सोने की मांग बढ़ेगी, इससे भी भाव में तेजी आ सकती है। बाजारों के जानकारों का कहना है कि मार्केट में करेक्शन की वजह से अगले 12 से 15 महीने में सोने की खरीद बढ़ सकती है और इसकी वजह से सोने का भाव 2,000 डॉलर (करीब 1.48 लाख रुपये) प्रति औंस से ऊपर जाकर नई ऊंचाई पर पहुंच सकता है। एक औंस 28.34 ग्राम के बराबर होता है। इस हिसाब से 10 ग्राम सोने का भाव करीब 52,500 रुपए से ऊपर जा सकता है। वर्ष 2021 में सोने का भाव करीब 4 फीसदी नीचे रहा था।

वोडाफोन आइडिया का घाटा बढ़कर 7,231 करोड़

नई दिल्ली । कर्ज संकट से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया के तिमाही नतीजे आ गए हैं। कंपनी ने बताया कि दिसंबर 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका घाटा बढ़कर 7,230.9 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी को एक साल पहले इसी अवधि में 4,532.1 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वोडाफोन आइडिया ने बताया कि इस अवधि में ऑपरेशन्स से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में 10,894.1 करोड़ रुपए से 10.8 प्रतिशत की कमी आई और यह घटकर 9,717.3 करोड़ रुपए रहा। इसके अलावा कंपनी के सब्सक्राइबर्स में भी कमी आई है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 634 अरब डॉलर के पार

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 2.229 अरब डॉलर बढ़कर 634.965 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इससे पहले सात जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 87.8 करोड़ डॉलर घटकर 632.736 अरब डॉलर हो गया था। जबकि तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में यह रिकार्ड 642.453 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 14 जनवरी को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में उछाल आने की वजह कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) तथा स्वर्ण आरक्षित भंडार में वृद्धि है।

शेयर बाजार में निवेशकों के 8 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बीते सप्ताह लगातार चार कारोबारी सत्रों में घरेलू बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स लगभग 2500 और निफ्टी 700 अंक नीचे चला गया। जानकारों के मुताबिक कमजोर रुपया और भारतीय बाजारों से पैसा निकालने वाले एफआईआई, ट्रेंड रिवर्सल के लिए प्रमुख कारण रहे। बाजार की इस बिकवाली में निवेशकों की वेल्थ में 8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कमी देखने को मिली। इस दौरान इंडिया विक्स 7.8 फीसदी बढ़ा। नैस्डैक के टेक हैवीवेट्स में गिरावट के साथ अमेरिकी बाजारों में लगातार पांचवें दिन कमजोरी बनी हुई है। इसका असर भारत के टेक सेक्टर पर भी दिख रहा है। बाजार में आई गिरावट के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं-

विदेशों निवेशकों की बिकवाली- विदेशी निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। 20 जनवरी 2022 तक एफआईआई 12,415.14 करोड़ रुपए के शुद्ध विक्रेता बने रहे, जबकि उन्होंने 21 जनवरी 2022 को 4,500 करोड़ रुपए से अधिक की बिकवाली की। विदेशी निवेशक ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के बीच महंगे बाजारों से निकल रहे हैं और जापान व यूरोप जैसे आकर्षक वैल्यू वाले बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं। विदेशी निवेशक अक्टूबर से अभी तक 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं।

वैश्विक बाजार - अमेरिकी बाजारों में गिरावट का असर भारतीय बाजार पर दिख रहा है, जहां लगातार पांचवें दिन गुरुवार को कमजोरी रही। यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद में ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में उछाल के चलते निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं।

रुपया और डॉलर- पिछले एक पखवाड़े में, भारतीय रुपया 74 के स्तर से गिरकर लगभग 74.50 के स्तर पर आ गया है। यह भी एफआईआई द्वारा भारतीय बाजारों से पैसा निकालने का एक मुख्य कारण है।

कंपनियों का कमजोर प्रदर्शन- दिसंबर में समाप्त तिमाही में भारतीय कंपनियों की अर्निंग से अभी तक उनके ऑपरेटिंग मार्जिन पर भारी दबाव के संकेत मिले हैं। इसका असर उनके मुनाफे पर पड़ रहा है। हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी कंपनियों की इनीशियल कमेंट्री से रूरल इकोनॉमी पर दबाव के संकेत मिले हैं, वहीं बजाज फाइनेंस ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि शहरी क्षेत्रों के कम आय वाले कंज्यूमर भी महामारी से प्रभावित हुए हैं।

वित्तीय स्थिति- न सिर्फ अमेरिका, बल्कि भारत में वित्तीय स्थिति खराब हो रही है। इसके चलते रिजर्व बैंक (आरबीआई) धीरे-धीरे लिक्विडिटी के नॉर्मलाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। कॉल मनी रेट 4.55 फीसदी की ऊंचाई पर पहुंच गया, जो पिछले महीने 3.25-3.50 फीसदी के स्तर पर था। कॉल मनी रेट, वह रेट है जिस पर बैंक ओवरनाइट कर्ज लेते हैं। कॉल रेट में उछाल के साथ ही ट्राई पार्टी रेपो डीलिंग और सेटलमेंट भी 4.24 के स्तर पर पहुंच गया, जो दिसंबर के अंत तक लगभग 3.5 फीसदी था।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में 4 प्रतिशत की गिरावट रही

मुंबई। बीते सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मुनाफा वसूली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से भी घरेलू बाजार नुकसान में रहा। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 122.58 अंक बढ़कर 61,345.61 पर खुला और 85.88 अंक की बढ़त के साथ 61,308.91 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.65 अंक की तेजी के साथ 18,293.40 पर खुला और 52.35 अंक बढ़कर 18,308.10 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 138.57 अंक बढ़कर 61,447.48 पर खुला और 554.05 अंक गिरावट के साथ 60,754.86 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 35.50 अंक की तेजी के साथ 18,343.60 पर खुला और 195.05 अंक की गिरावट के साथ 18,113.05 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 208.38 अंक की गिरावट के साथ 60,546.48 पर खुला और 656.04 अंक की गिरावट के साथ 60,098.82 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 84.95 अंक की गिरावट के साथ 18,028.10 पर खुला और 174.65 अंक की गिरावट के साथ 17,938.40 अंक पर बंद हुआ।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद लकड़ी खिलौना उद्योग के दिन फिरे, मांग बढ़ी

वाराणसी। बनारसी लकड़ी के खिलौनों की अपनी खास पहचान है।इनकी मांग पूरी दुनिया में है।श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद लकड़ी पर उकेरे गए श्री काशी विश्वनाथ धाम का मॉडल बनारस आने वाले सैलानियों की पहली पसंद बन गया है। लोग धाम के मॉडल को घर में रखने के लिए खरीद रहे है। वहीं उपहार में देने के लिए भी इस मॉडल की कॉरपोरेट मांग बढ़ी है।लकड़ी के खिलौने बनाने वाले कारीगर ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण और इसके प्रचार-प्रसार का फायदा वाराणसी के लकड़ी के खिलौना उद्योग को सबसे ज्यादा मिल रहा है। इसकी 'डिमांड' बाहर से भी आ रही है। बनारस आने वाला पर्यटक भी इस खरीद रहे है।

वाराणसी के लकड़ी के खिलौना जीआई उत्पाद के रूप में भी शामिल हैं। 13 दिसंबर को श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद बाबा धाम में आने श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वाराणसी में आने वाले पर्यटकों को श्री काशी विश्वनाथ धाम और भगवान शंकर की रंगीन झाकियों की लकड़ी पर उकेरी गई आकृति बेहद पसंद आ रही है। धार्मिक सजावटी सामान में सबसे ज्यादा मांग वाराणसी के पारंपरिक लकड़ी के खिलौना उद्योग को मिल रहा है।पिछले कुछ समय से वाराणसी में लकड़ी के खिलौना उद्योग में बनने वाले श्री काशी विश्वनाथ धाम के मॉडल की मांग ज्यादा आ रही है। साथ ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की परंपरागत पुश्तैनी उद्योग के उत्पादों को उपहार में देने की अपील से भी इसकी बिक्री बढ़ी है.

बजट में आयकर सीमा 2.5 लाख से बढ़ सकती है: सर्वे

मुंबई । ज्यादातर लोगों ने संभावना जताई है कि वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट में आयकर छूट की सीमा को 2.5 लाख रुपए से बढ़ाया जा सकता है। केपीएमजी इंडिया के एक सर्वे में यह राय उभरकर सामने आई है। आम बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। बजट से पहले केपीएमजी द्वारा किए गए सर्वेक्षण में 36 प्रतिशत लोगों का मानना है कि 80सी कटौती के तहत कटौती की सीमा को 1.5 लाख रुपए से बढ़ाया जा सकता है। वहीं 19 प्रतिशत का कहना था कि वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती की सीमा को मौजूदा के 50,000 रुपए से बढ़ाया जा सकता है। सर्वेक्षण के अनुसार 16 प्रतिशत उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि बजट में वेतनभोगियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कर-मुक्त भत्ता, अन्य लाभ दिया जा सकता है। इसमें इंटरनेट कनेक्शन, फर्नीचर और ईयरफोन के लिए प्रावधान किया जा सकता है। केपीएमजी ने बजट-पूर्व यह सर्वे जनवरी 2022 में किया है। इसमें वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लगभग 200 पेशेवरों के विचार लिए गए हैं। सर्वेक्षण में 64 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मूल आयकर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना से बढ़ाई जाएगी। गौरतलब है कि इस बार संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा और 8 अप्रैल को समाप्त होगा।

मैन्यूफैक्चरिंग बिना टेस्ला की मांग मानने के मूड में नहीं सरकार

बजट में टेस्ला कार के आयात शुल्क में कटौती के आसार भी नहीं

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला की तरफ से भारत में मैन्यूफैक्चरिंग शुरू करने को लेकर प्रतिबद्धता दिखाए बगैर सरकार टेस्ला की किसी भी मांग पर विचार के मूड में नहीं है। इससे जाहिर हो गया है कि आगामी बजट में इलेक्ट्रिक कार के आयात पर लगने वाले शुल्क में कोई कटौती नहीं की जाएगी। टेस्ला सरकार पर इलेक्ट्रिक कार के आयात पर शुल्क में कटौती करने के लिए दबाव बना रही है। स्थिति यह है कि महाराष्ट्र सरकार ने तो केंद्र सरकार को पत्र तक लिखकर

शुल्क कटौती की टेस्ला की मांग मानने का अनुरोध किया है। पश्चिम बंगाल, पंजाब व तेलंगाना जैसे राज्य भी टेस्ला के पक्ष में दिख रहे हैं। उधर भारी उद्योग मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक टेस्ला भारत में मैन्यूफैक्चरिंग की इच्छुक होती तो निश्चित रूप से ऑटोमोबाइल्स निर्माण से जुड़ी प्रोडक्शन लिंक्ड स्कीम के तहत आवेदन करती, लेकिन टेस्ला ने ऐसा नहीं किया। इसके अलावा भी टेस्ला ने भारत में निवेश और मैन्यूफैक्चरिंग को लेकर अब तक कोई इच्छा जाहिर नहीं की है। टेस्ला चाहती है कि इलेक्ट्रिक कार पर आयात शुल्क कम कर दिया जाए और वह भारत में अपनी कार को लाकर बेच सके। सूत्रों के मुताबिक सरकार मेक इन इंडिया और मैन्यूफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए चौतरफा प्रयास कर रही है, ऐसे में इलेक्ट्रिक कार पर आयात शुल्क कम करके घरेलू मैन्यूफैक्चरर्स को सरकार हतोत्साहित नहीं कर सकती है।

वर्ष 2017 में मोबाइल फोन निर्माता एप्पल ने भी सरकार से कुछ ऐसी ही मांग की थी जिसे मोदी सरकार ने नकार दिया था। अभी भारत में इलेक्ट्रिक कार के आयात पर 100 फीसद का शुल्क है इसलिए इसका आयात कर उसे भारत में बेचना आसान नहीं होगा। भारी उद्योग मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक सरकार का रुख पहले दिन से साफ है कि भारत में निवेश करने और मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगाने वाली कंपनियों का स्वागत है।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में जोरदार गिरावट

मुंबई। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है। दुनिया की सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसीज़ में अच्छी खासी गिरावट देखी गई। सबसे ज्यादा गिरावट बिटकॉइन, इथेरियम, बीएनबी, कार्डानो और सोलाना में आई, जिससे क्रिप्टो बाजार से लगभग 150 बिलियन डॉलर का सफाया हो गया।सबसे चर्चित क्रिप्टो बिटकॉइन लगभग 15 फीसदी गिर गया और शुक्रवार की देर रात लगभग 36,000 डॉलर का कारोबार कर रहा था। ईथर, मार्केट कैप के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, लगभग 20 फीसदी की गिरावट के साथ 2,500 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट गुरुवार को वॉल

स्ट्रीट के नुकसान के बाद हुई। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स और एसएंडपी 500 (दोनों अमेरिकी स्टॉक मार्केट इंडेक्स हैं) के लिए यह मार्च 2020 के बाद सबसे खराब सप्ताह था। शुक्रवार को नैस्डैक में 2.7 फीसदी की गिरावट आई, वहीं एसएंडपी 500 में 1.89 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस हफ्ते नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 7.55 फीसदी और एसएंडपी 500 में 5.7 फीसदी गिरावट आई है। साल के शुरुआत में निवेशक जोखिम नहीं उठाना चाह रहे हैं। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व मुद्रास्फीति से निपटने के लिए इस साल कई बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है, इस वजह से भी बाजार प्रभावित हो रहा है। पिछले हफ्ते फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने तेज से बढ़ती मुद्रास्फीति को देश के आर्थिक सुधार के लिए गंभीर खतरा बताया था।

बैंक, एनबीएफसी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 40,000 करोड़ दे सकते हैं कर्ज!

नई दिल्ली। भारत में बैंको और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के पास इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 2025 तक 40,000 करोड़ रुपए का कर्ज देने की क्षमता है। वहीं 2030 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उनका कर्ज 3.7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग और रॉकी माउंटेन इंस्टिट्यूट इंडिया (आरएमआई) ने एक संयुक्त रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैंकिंग शीर्षक की रिपोर्ट में देश में बिजली चालित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र में खुदरा ऋण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र की पहचान के महत्व को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों और गैर बैंकिंग-वित्तीय कंपनियों में क्षमता है कि वे 2025 तक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 40,000 करोड़ रुपए और 2030 तक 3.7 लाख करोड़ रुपए तक का कर्ज दे सकते हैं। हालांकि

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए खुदरा वित्तपोषण उतनी रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। रिपोर्ट कहती है कि बैंकों और एनबीएफसी द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए प्रदान किए जाने वाले ऋण को रिजर्व बैंक की प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को ऋण (पीएसएल) के दिशानिर्देशों में शामिल किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट के बारे में नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता बढ़ाने में वित्तीय संस्थान अहम भूमिका निभा सकते हैं।

एचएमएसआई ने ओड़िशा में 15 लाख बिक्री आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने कहा कि ओड़िशा में उसकी कुल बिक्री 15 लाख इकाई को पार कर गई है। कंपनी को जहां राज्य में पहले पांच लाख ग्राहकों को जोड़ने में 15 साल लगे, वहीं 10 लाख ग्राहकों को हासिल करने में सिर्फ छह साल लगे। एचएमएसआई ने कहा कि 32 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ व्यक्तिगत परिवहन की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए, दोपहिया निर्माता अब राज्य में सबसे तेजी से बढ़ने वाला दोपहिया ब्रांड है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।